सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 316 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 30 अगस्त 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

नेपाल बाढ़ : चाय के कारण बाढ़ में फंसने से बाल-बाल बचे छत्तीसगढ़ के 5 दोस्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। चाय पीने के लिए लिया गया एक छोटा-सा ब्रेक छत्तीसगढ़ के पांच दोस्तों के लिए जिंदगी बचाने वाला साबित हुआ। नेपाल की भोटे कोशी और त्रिशूली नदी घाटियों में आई अचानक बाढ़ के दौरान अगर वे कुछ मिनट पहले वहां से निकल गए होते, तो शायद तेज बहाव की चपेट में आ जाते। बाढ़ के बाद इन दोस्तों ने दो दिन ऊंचाई वाले इलाके में शरण लेकर गुजारे और शनिवार को सुरक्षित रायपुर लौट आए।

चाय के लिए रुके और टल गया बड़ा खतरा

रायपुर के माना कैंप क्षेत्र निवासी नारायण सेन, दिनेश ओझा, प्रेम सिंह जगत, यतेंद्र प्रकाश और दिनेश सिंह ठाकुर 50 से 60 वर्ष की उम्र के हैं। 53 वर्षीय नारायण सेन ने बताया कि 26 अगस्त को बाढ़ आने के समय वे चाय पीने के लिए रुके थे। उन्होंने कहा कि अगर वे 10-15 मिनट पहले वहां से निकल गए होते तो फंस सकते थे। समूह ने 21 अगस्त को रायपुर से यात्रा शुरू की थी और अगले दिन नेपाल पहुंचा था। वे पशुपतिनाथ मंदिर,

मनोकामना मंदिर सहित अन्य पर्यटन स्थलों पर जाने वाले थे। 26 अगस्त को सुबह करीब 9:30 से 10 बजे के बीच वे धादिंग जिले के मलेखू कस्बे के एक होटल में चाय पीने रुके। इसी दौरान उन्हें पता चला कि आगे एक पुल बाढ़ में बह गया है। उन्होंने त्रिशूली नदी में गाड़ियों को बहते देखा।

ऊंचाई पर ली शरण, कार में गुजारी रात

बाढ़ का मंजर देखकर पांचों ने मलेखू में ऊंचाई वाले स्थान पर शरण ली। उन्होंने रात अपनी कार में गुजारी। स्थानीय लोगों और प्रशासन ने भी उनकी मदद की। पुलिस हेड कांस्टेबल दिनेश सिंह ठाकुर ने बताया कि वे पशुपतिनाथ मंदिर से करीब 50 किलोमीटर दूर थे, जब बाढ़ ने तबाही मचाई। ठाकुर के मुताबिक इलाके में बिजली और पानी की व्यवस्था प्रभावित थी, लेकिन स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने उनकी मदद की। दोस्तों ने इंटरनेट के जरिए अपने परिवारों से संपर्क बनाए रखा और भारतीय सरकार की हेल्पलाइन पर अपनी लोकेशन भी साझा की।

बाढ़ के बीच महिलाओं ने बांधी राखी, यादगार बना पल

इस भयावह सफर के बीच स्थानीय महिला सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें राखी बांधी। ठाकुर ने बताया कि उनकी बहनों ने पहले ही उन्हें राखियां दे दी थीं, क्योंकि उनकी वापसी रक्षाबंधन के बाद होनी थी। महिला सुरक्षाकर्मियों द्वारा वही राखियां उनकी कलाई पर बांधी गईं।

खास-खबर

अगले पांच दिन भारी बारिश का अलर्ट, कई क्षेत्रों में जलभराव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदल गया है। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तथा उससे लगे पश्चिम बंगाल-उत्तर ओडिशा तट पर बना कम दबाव का क्षेत्र पूरी तरह सक्रिय है। मौसम विभाग के अनुसार, यह सिस्टम समुद्र तल से करीब 7.6 किलोमीटर की ऊंचाई तक फैला हुआ है। इसके अगले 48 घंटों में और मजबूत होकर उत्तर ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल की ओर बढ़ने का अनुमान है। इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़ में अगले 5 दिनों तक बारिश की रफ्तार बढ़ सकती है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश, जबकि कई स्थानों पर गरज-चमक, आकाशीय बिजली और भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। राजधानी रायपुर में 30 अगस्त को बादल छाए रहने और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। यहां अधिकतम तापमान करीब 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान अंबिकापुर में 28.9 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम न्यूनतम तापमान पेंड्रा रोड में 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सीएसआईआर यूजीसी नेट जून 2026 का रिजल्ट घोषित

नईदिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने शनिवार को संयुक्त सीएसआईआर यूजीसी-एनईटी जून 2026 परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया। परीक्षा में शामिल उम्मीदवार अब अपना रिजल्ट आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर देख सकते हैं। परीक्षा का आयोजन 17 और 18 जुलाई 2026 को किया था। यह परीक्षा कंप्यूटर आधारित टेस्ट (ष्टक्चञ्ज) मोड में देशभर के 224 शहरों में आयोजित हुई, जिसमें 5 विषयों के लिए कुल 1,87,739 उम्मीदवार शामिल हुए थे। सीएसआईआर-यूजीसी नेट जून 2026 परीक्षा के लिए कुल 1,87,739 उम्मीदवारों ने पंजीकरण कराया था। इनमें 1,11,274 महिलाएं, 76,463 पुरुष और 2 तीसरे लिंग के उम्मीदवार शामिल थे। परीक्षा में कुल 1,50,057 उम्मीदवार शामिल हुए, जिनमें 90,380 महिलाएं, 59,675 पुरुष और 2 तीसरे लिंग के उम्मीदवार थे।

जशपुर और रायगढ़ में सड़क दुर्घटना में तीन की मौत

जशपुर। जशपुर और रायगढ़ जिले में रविवार सुबह के वक्त हुई सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की जान चली गई। जशपुर में तेज रफ्तार बाइक की ठोकर से एक ग्रामीण और बाइक चालक दोनों की मौत हो गई। रायगढ़ जिले में स्कूटी सवार युवती को ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। लोदाम के बैगटोली निवासी जीत राम शनिवार की रात को दिन भर अपना काम निबटा कर घर की ओर वापस लौट रहा था। वह अभी बरटोली के जेके ढाबा के पास पहुंचा ही था कि उसकी बाइक बेकाबू हो कर एनएच मे किनारे पैदल चल रहे यात्री विजय कोरवा को चपेट मे ले लिया। बाइक की ठोकर से विजय कोरवा की मौके पर ही मौत हो गई। विजय को ठोकर मारने के बाद बाइक के असंतुलित होने से जीत राम सड़क पर गिर गया। इस दौरान सिर और सीने मे आई गंभीर चोट की वजह से उसकी भी मौत हो गई।

'मन की बात' में बोले पीएम मोदी- तेजी से चल रहा नशा मुक्ति अभियान, युवाओं को संभालना जरूरी

■ पीएम मोदी ने की महाराष्ट्र के कृष्णा शेषाद्रि की सराहना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 'मन की बात' कार्यक्रम के 137वें एपिसोड को संबोधित किया। उन्होंने सबसे पहले भारतीय इतिहास को लेकर चर्चा की। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत', यह अभियान इस समय पूरे देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसका लक्ष्य बिलकुल साफ है- नशामुक्त युवा, ड्रग फ्री इंडिया। बहुत से लोग, खासकर युवा, इसका बड़ा हिस्सा बन गए हैं। यह भारत के युवाओं की सेहत, खुशी और उज्ज्वल भविष्य के लिए हमारा सामूहिक संकल्प है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे हजारों युवा नशे के चंगुल में फंस रहे हैं जिसके चलते उनके परिवार को परेशानी झेलनी पड़ रही

है। हमें युवाओं को संभालना होगा।

पीएम मोदी ने युवाओं को इतिहास के ज्ञान को आसानी से प्राप्त करने के लिए WWW. BHARATRAJYA.COM वेबसाइट पर जाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस वेबसाइट पर कोई भी एक साल चुनें और आपको पता चल जाएगा कि उस समय भारत के किस हिस्से पर किसने शासन किया था। इस वेबसाइट को मुंबई के कृष्णा शेषाद्रि ने बनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कृष्णा शेषाद्रि की यह कोशिश न सिर्फ इतिहास के छात्रों के लिए फायदेमंद होगी, बल्कि इससे हमें इतिहास को दिलचस्प तरीके से सीखने में भी मदद मिलेगी।

लाखों माताओं-बहनों को 'पीएम स्वनिधि योजना' से नई ताकत मिल रही

पीएम मोदी ने कहा कि लाखों माताओं-बहनों को 'पीएम स्वनिधि योजना' से नई ताकत मिल रही है। 'महिला सशक्तिकरण' के इस पहलू की उतनी चर्चा नहीं होती, जितनी होनी चाहिए। 'पीएम स्वनिधि योजना' की लाभार्थियों में करीब 46 प्रतिशत महिलाएं हैं। यानी देशभर में लगभग 35 लाख महिलाएं इस योजना से जुड़कर अपने कारोबार को आगे बढ़ा रही हैं।

कभी-कभी हमारा एक छोटा सा शौक बड़ी संभावना का रास्ता खोल देता है

पीएम मोदी ने कहा कि कभी-कभी हमारा एक छोटा सा शौक, जीवन में एक बड़ी संभावना का रास्ता खोल देता है। नागालैंड के Phek जिले की वेसालु पुरो जी की यात्रा भी कुछ ऐसी ही है। वेसालु जी किसान परिवार में पली-बढ़ीं। बचपन से उन्होंने अपने माता-पिता को खेती करते देखा था और उन्हें खुद फूलों से बहुत लगाव था। साल 2021 में उन्होंने इसी शौक के साथ छोटे स्तर पर फूल उगाने की शुरुआत की। धीरे-धीरे उन्होंने इसमें एस संभावना दिखाई देने लगी और उन्होंने अपने इस शौक को आगे बढ़ाने का फैसला लिया।

मणिपुर में फिर हिंसा : नोनी में उग्रवादी गुटों के बीच गोलीबारी

■ एक उग्रवादी की मौत और 6 हुए घायल

इंफाल ए.। मणिपुर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। नोनी जिले में एक सशस्त्र संगठन के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में एक उग्रवादी की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हुए हैं। वहीं, थौबल जिले में एक तेल पंप के भीतर ग्रेनेड फेंके जाने से धमाका हुआ, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

पुलिस के मुताबिक, शनिवार तड़के नोनी जिले में जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-कामसन और जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-जेंचुई के कैडरों के बीच टकराव हुआ। इस दौरान दोनों पक्षों में गोलीबारी

हुई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। पुलिस ने मृतक की पहचान 37 वर्षीय जांगैलिंग गोनमेई के रूप में की है। पुलिस के अनुसार, घायलों में से पांच को इंफाल स्थित जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने बताया कि सभी की हालत फिलहाल स्थिर है। एक अन्य घायल को इंफाल के ही एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नेपाल बाढ़ : 734 मौतों की पुष्टि, 2500 से ज्यादा अभी भी लापता

काठमांडू। नेपाल में विनाशकारी बाढ़ के बाद राहत और बचाव अभियान लगातार जारी है। अब तक 724 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 275 से अधिक भारतीय लापता हैं। 108 भारतीयों को बचाया जा चुका है और चीन में मौजूद करीब 900 भारतीय सुरक्षित हैं। भारत ने राहत सामग्री, बचाव दल और पुल निर्माण का सामान नेपाल भेजा है। नेपाल में बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे कर्मचारियों को बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। करीब 898 कर्मचारी अब भी फंसे हैं, जबकि 361 कर्मचारियों को अब तक बचाया जा चुका है। त्रिशूली-3 'ए' हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ कामयाबी मिली है। बचावकर्मी मशीनों की मदद से मिट्टी और गाद हटा रहे हैं। सुरंग में 6 इंच का छेद कर पाइप के जरिए हवा पहुंचाई जा रही है। अब इसे बड़ा कर मैनहोल बनाने की तैयारी है, ताकि बचाव दल सुरंग के अंदर जाकर लोगों की तलाश कर सके।

भिलाई में हत्या : मामूली बात पर चाकूबाजी गंभीर रूप से घायल युवक की अस्पताल में मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शनिवार देर रात नेहरू नगर चौक पर मामूली बात पर चाकूबाजी घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की रविवार की सुबह इलाज के दौरान मौत हो गई। युवक अपने साथी के साथ घर से निकला था और नेहरू नगर चौक पर स्कूटी सवार युवकों से उसका विवाद हुआ। स्कूटी सवार बदमाशों ने युवक को चाकू से गोद दिया और फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस आरोपियों की तलाश में जट गई है। मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना शनिवार रात 11:30 बजे की बताई जा रही है। मृतक की पहचान कैंप-01 निवासी शिव कुमार सिंह पिता अवधेश सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक शिव कुमार सिंह अपने दोस्त शिशांत के साथ चिचोला जाने निकला था। रात को नेहरू नगर चौक पर रुककर लिफ्ट मांग रहा था।

इस दौरान स्कूटी पर दो युवक व एक युवती पहुंचे। शिव कुमार ने स्कूटी सवारों को रुकवाया। इस दौरान इनके बीच बहस हो गई।

देखते ही देखते विवाद बढ़ा और स्कूटी सवार युवक ने शिवकुमार को चाकू से गोद दिया और अंडरब्रिज की ओर से टाउनशिप की तरफ फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल शिव कुमार को हाईटेक अस्पताल पहुंचाया। वहां से उसे शंकराचार्य मेडिकल कॉलेज रेफर किया, जहां रविवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

नेपाल में जलप्रलयः यूपी के लिए बढ़ी चिंता, बारिश नहीं, मलबा बन सकता है बाढ़ का 'टाइम बम'

नईदिल्ली ए.। नेपाल में आई अचानक विनाशकारी बाढ़ ने उत्तर प्रदेश के हिमालयी नदियों से जुड़े इलाकों के लिए भी खतरे की चेतावनी दी है। चिंता केवल नेपाल से आने वाली गंडक नदी तक सीमित नहीं है। उत्तराखंड के हिमालयी क्षेत्रों से निकलने वाली भागीरथी, अलकनंदा और काली-शारदा जैसी नदी प्रणालियों में भूस्खलन, बर्फ या चट्टान खिसकने और मलबे से नदी का रास्ता रुकने की घटनाएं भी अचानक बड़ी बाढ़ का कारण बन सकती हैं।

लखनऊ स्थित बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज के निदेशक व वरिष्ठ भूगर्भ वैज्ञानिक प्रो. महेश जी ठक्कर ने अमर उजाला से खास बातचीत में कहा कि हिमालयी आपदाओं को अब केवल भारी बारिश या बादल फटने के नजरिये से देखना पर्याप्त नहीं है।

उन्होंने कहा कि नेपाल की ताजा घटना में बर्फ, चट्टान और मलबा खिसकने से नदी के रास्ते में अस्थायी रुकावट बनने और फिर अचानक भारी जलप्रवाह के संकेत मिले हैं। ऐसी रुकावट प्राकृतिक बांध का रूप ले सकती है। इसके टूटते ही पानी के साथ बोल्डर व मलबा तेज रफ्तार से नीचे की घाटियों और मैदानी इलाकों तक पहुंच सकता है। उत्तराखंड में भी भूस्खलन से नदी रुकने और बाद में प्राकृतिक अवरोध टूटने की घटनाएं हो चुकी हैं। हालिया धराली हादसे ने भी दिखाया कि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ढलान, ग्लेशियर और मलबे में हलचल अचानक विनाशकारी बहाव का रूप ले सकती है।

प्रो. ठक्कर ने बताया कि ऐसी घटनाओं का असर केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं रहता। नेपाल की त्रिशूली नदी आगे नारायणी और फिर गंडक नदी प्रणाली से जुड़ती है। इसलिए वहां अचानक बढ़ा जलप्रवाह और मलबा यूपी के निचले इलाकों तक असर डाल सकता है। भागीरथी और अलकनंदा गंगा प्रणाली का हिस्सा हैं, जबकि काली और उसकी सहायक नदियां शारदा नदी तंत्र से जुड़ती हैं।

संपादकीय

बेरहम छंटाई

तेलंगाना और कर्नाटक की मतदाता सूचियां

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा चलाई जा रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की वजह से देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों के मतदान का अधिकार छिनने का मामला साफ तौर पर सामने आ रहा है। सुप्रीम कोर्ट से आगे बढ़ने की इजाजत मिलने के बाद आक्रामक तरीके से, एसआईआर ने अब तेलंगाना और कर्नाटक में मतदाता सूचियों से पांचवें हिस्से के बराबर नाम – जो क्रमशः लगभग 22 फीसदी और 19.5 फीसदी हैं – हटा दिए हैं और हटाए गए नामों की यह तादाद देश में सबसे ज्यादा है। सबसे ज्यादा छंटाई इन दोनों राज्यों की राजधानियों में हुई है – बेंगलुरु में पांच निर्वाचन क्षेत्रों में आधे से ज्यादा मतदाता कम हो गए हैं, जबकि हैदराबाद के 15 में से नौ क्षेत्रों में 40 फीसदी से ज्यादा मतदाता हटा दिए गए हैं। इस किस्म की कटौतियां महज किनारों पर मौजूद फालतू हिस्सों को छांटने तक ही सीमित नहीं हो सकतीं। अगर ये बातें सही हैं, तो ईसीआई की अपनी संक्षिप्त पुनरीक्षण (समरी रिविजन) प्रक्रियाओं के कारण हाल के चुनावों में मतदाता सूचियों में जरूरत से ज्यादा नाम शामिल हो गए थे और ऐसा उन जगहों पर हुआ जहां देश के दूसरे हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग आकर बसे थे। और अगर नामों को हटाने को सही ठहराना है, तो जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन्हें राज्य छोड़कर जाना पड़ा होगा – क्योंकि कर्नाटक या तेलंगाना के अंदर ही कहीं और जाने पर मतदाता का नाम उसी राज्य की दूसरी जगह की मतदाता सूची में चला जाएगा, पूरी तरह से हटेगा नहीं। फिर भी, न तो हाल के सर्वेक्षण के आंकड़ों से और न ही सरकार के अपने जनसंख्या संबंधी अनुमानों से इसकी पुष्टि होती है।

> “ सुप्रीम कोर्ट से आगे बढ़ने की इजाजत मिलने के बाद आक्रामक तरीके से, एसआईआर ने अब तेलंगाना और कर्नाटक में मतदाता सूचियों से पांचवें हिस्से के बराबर नाम – जो क्रमशः लगभग 22 फीसदी और 19.5 फीसदी हैं – हटा दिए हैं और हटाए गए नामों की यह तादाद देश में सबसे ज्यादा है। सबसे ज्यादा छंटाई इन दोनों राज्यों की राजधानियों में हुई है – बेंगलुरु में पांच निर्वाचन क्षेत्रों में आधे से ज्यादा मतदाता कम हो गए हैं, जबकि हैदराबाद के 15 में से नौ क्षेत्रों में 40 फीसदी से ज्यादा मतदाता हटा दिए गए हैं। इस किस्म की कटौतियां महज किनारों पर मौजूद फालतू हिस्सों को छांटने तक ही सीमित नहीं हो सकतीं। अगर ये बातें सही हैं, तो ईसीआई की अपनी संक्षिप्त पुनरीक्षण (समरी रिविजन) प्रक्रियाओं के कारण हाल के चुनावों में मतदाता सूचियों में जरूरत से ज्यादा नाम शामिल हो गए थे और ऐसा उन जगहों पर हुआ जहां देश के दूसरे हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग आकर बसे थे।

बिहार एसआईआर के दौरान, अदालत ने पूछा था कि राजनीतिक पार्टियों ने गलत तरीके से हटाए गए नामों को फिर से शामिल करने के लिए इतनी कम आपत्तियां क्यों दर्ज कराईं। यह सवाल इन दक्षिणी राज्यों के लिए भी मौजूं हो सकता है। इसकी एक वजह यह हो सकती है कि मतदाता पहचान-पत्र नागरिकों के लिए कुछ सालों में सिर्फ एक बार ही काम आता है, लिहाजा वे इसे लेकर ज्यादा उत्साह नहीं दिखाते। इससे यह समझा जा सकता है कि मतदाताओं पर जिम्मेदारी डालने वाली इस प्रक्रिया की वजह से इतने बड़े पैमाने पर कटौतियां क्यों होती हैं। इस बीच, ईसीआई की पारदर्शिता की कमी के चलते इन आंकड़ों में कोई ठोस सबूत साबित कर पाना मुश्किल है। आयोग द्वारा पुनरीक्षण के दौरान अब तक किसी भी राज्य का मतदाता-जनसंख्या अनुपात प्रकाशित नहीं किया गया है, जबकि ऐसा करना अनिवार्य है और यह कम पंजीकरण की जांच का एकमात्र तरीका है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नाम हटाने की प्रक्रिया का लिंग-वार ब्योरा जारी करने की भी जहमत नहीं उठाई। इसके बजाय, उन्होंने पुरानी मतदान केंद्र संख्या के बगैर गूगल ड्राइव की कई लिंक पर सूचियां बिखेर दीं, जिससे सत्यापन का काम मुश्किल हो गया है। इस किस्म की लापरवाही का नतीजा पश्चिम बंगाल में साफ दिखता है, जहां ईसीआई की संदिग्ध तार्किक विसंगति (लॉजिकल डिक्रेपेंसी) प्रक्रिया के कारण लाखों मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो गए और उन्हें अदालत की देखरेख में बने न्यायाधिकरणों में जाकर अपनी शिकायत दर्ज करानी पड़ी। चुनाव के कई महीनों बाद, सूचना के अधिकार के तहत मिले रिकॉर्ड से पता चलता है कि 19 न्यायाधिकरणों के सामने आई लगभग 38 लाख अपीलों में से बमुश्किल 82,000 अपीलों पर ही फैसला हुआ है और इनमें से 90 फीसदी से ज्यादा फैसले अपना नाम वापस जुड़वाने की चाहत रखने वाले मतदाताओं के पक्ष में रहे हैं। ईसीआई – एक ऐसा संस्थान जिसकी तारीफ कभी अमीर लोकतंत्र भी इतनी बड़ी संख्या में भारतीयों को मतदान केंद्रों तक पहुंचाने की वजह से करते थे – अब सभी वयस्कों के मतदान करने के अधिकार की राह में एक रोड़ा बन गया है।

अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ पर रस्साकशी

भाषा सिंह

टैरिफ ट्रंप की व्यापार नीति और विश्व कूटनीति का अहम हिस्सा है। अब अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ की जंग तेज होती जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडाई ऑटोमोबाइल, स्टील आदि सामानों पर भारी शुल्क की धमकी के जवाब में कनाडा ने भी टैरिफ लगाने की तैयारी की है। दोनों देशों की व्यापार वार्ता विफल हो चुकी है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रिय शगल है टैरिफ-टैरिफ खेलना, दुनिया के तमाम देशों को नियंत्रित करने के लिए टैरिफ को अंतर्राष्ट्रीय हथकंडे के तौर पर, एक अस्त्र के तौर पर इस्तेमाल करना उनका शौक रहा। इसी क्रम में अब अमेरिका और कनाडा के बीच टैरिफ युद्ध का नया सीजन शुरू हो गया। दोनों देशों के बीच इसे लेकर तनाव बढ़ता जा रहा है। ट्रंप ने अब नई धमकी दी है कि कनाडा की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री और स्टील पर टैरिफ को वह 1 जनवरी से 50 फीसदी तक बढ़ा देंगे, इससे कनाडा में खलबली मची है। अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार वार्ता टूटने पर दोनों देशों में ठन-सी गई है। जवाब में कनाडा ने घोषणा की थी कि वह भी अमेरिकी उत्पादों पर रेसिप्रोकल 50 फीसदी टैरिफ लगाएगा।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ट्रंप की नई धमकी पर कहा है कि इससे उन्हें कोई हैरत नहीं, क्योंकि ट्रंप का चरित्र इसी तरह का है और वे कनाडा की ऑटो इंडस्ट्री तबाह करना चाहते हैं। लेकिन दोहराया कि अगर अमेरिका 'सही रवैये' के साथ आता है तो ट्रेड वार्ता फिर से शुरू हो सकती है। अमेरिका व कनाडा में ये टकराव नया नहीं। ट्रंप ने सत्ता दोबारा संभालते ही कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की मंशा जाहिर की थी, जिससे दोनों देशों के संबंध तनावपूर्ण हो गये थे। कनाडा ने इस इरादे का कड़ा विरोध भी किया था। उसके बाद ट्रंप ने कनाडा के उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगा दिया। दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता का ताजा दौर 21 अगस्त को विफल हो गया और अमेरिका ने कनाडा से आने वाले करीब 20 अरब डॉलर के उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी। ट्रंप ने कह दिया कि कनाडा, अमेरिका का राज्य बने बिना ही राज्य होने के सारे फायदे चाहता है। यह कनाडा के जले पर नमक छिड़कने जैसा बयान था। इसका कड़ा जवाब दिया कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने, कि वे ट्रंप के टैरिफ का जवाब 'डॉलर के बदले डॉलर' के अंदाज में देंगे और 8 सितंबर से अमेरिकी उत्पादों पर 50 फीसदी टैरिफ लगाएंगे। कार्नी ने कहा कि अब अमेरिका और कनाडा टैरिफ वॉर में हैं। अमेरिका के स्टील, डेरी, घरेलू उपकरणों और इलेक्ट्रॉनिक्स पर भी शुल्क लगेगा। अभी कनाडा के वाहनों पर अमेरिकी टैरिफ गैर-अमेरिकी हिस्से (कंपोनेंट्स) के लिए 25 फीसदी है, जबकि स्टील पर 50 प्रतिशत शुल्क लागू है।

कार्नी ने ट्रंप टैरिफ को युद्ध की संज्ञा देते हुए कहा कि अमेरिका व्यापार समझौते में हमसे बहुत ज्यादा मांग रहा है और हमें बहुत कम दे रहा है। कनाडा ने जो जवाबी टैरिफ अमेरिका पर लगाने की धमकी दी, उसमें अमेरिकी स्टील व डेरी उत्पादों के साथ कृषि उपकरण व इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों को भी रखा गया है।

कनाडा की मुख्य विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी सहित सभी दलों ने अमेरिका से टैरिफ वॉर में प्रधानमंत्री कार्नी का समर्थन किया। उधर अमेरिका में ट्रंप के टैरिफ वॉर के खिलाफ आवाजें मुखर हैं। इस साल के शुरू में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था कि जिस तरह से ट्रंप टैरिफ का डंडा चला रहे हैं, वह गैरकानूनी है। तब से ट्रंप चोर रास्तों से टैरिफ नीति को लागू किये हैं। अमेरिकी जनता के बड़े हिस्से को लगता है कि ट्रंप के इन फैसलों की वजह से उन्हें उत्पादों की भारी कीमत देनी पड़ती है। हालांकि राष्ट्रपति ट्रंप का तर्क है कि इससे अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के मौके पैदा होंगे। पिछले साल अमेरिका व कनाडा दोनों देशों ने एक-दूसरे को 880 अरब डॉलर का सामान व सर्विसेज बेची थी। यानी व्यापार में दोनों ही देशों की अच्छी कमाई होती है और एक-दूसरे पर काफी निर्भर हैं। अमेरिका ने कनाडा और मैक्सिको के साथ साझा व्यापार सुगम बनाने को समझौता भी किया हुआ है। तो टैरिफ वॉर की आंच क्या उक्त नार्थ अमेरिकन ट्रेड पैक्ट पर आएगी दरअसल दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद से ट्रंप टैरिफ को बतौर कूटनीतिक हथियार प्रयोग कर रहे हैं।

टैरिफ ट्रंप की व्यापार नीति और विश्व कूटनीति का अहम हिस्सा रहा है। दुनिया भर के देशों को दबाने, मनमाने व्यापार समझौते करवाने, समझौते के लिए दबाव बनाने के हथकंडे के तौर पर टैरिफ का इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे पहले ट्रंप ने इसका इस्तेमाल चीन को झुकाने के लिए किया, लेकिन विफल रहे। चीन ने भी अपनी रेयर अर्थ की ताकत को इस्तेमाल किया और जवाबी टैरिफ की घोषणा कर दी। ट्रंप को पैर पीछे खींचने पड़े। ट्रंप ने निशाने पर भारत को भी लिया, टैरिफ का डंडा चलाया। वहीं अपने पड़ोसी देशों पर इसका इस्तेमाल किया। कनाडा पर टैरिफ वॉर शुरू की। अमेरिका चाहता था कि कनाडा के महत्वपूर्ण खनिजों पर उसका विशेषाधिकार रहे और वह किसी अन्य देश से स्वतंत्र समझौता न करे, जिसे कनाडा ने अस्वीकार किया। प्रधानमंत्री कार्नी ने ऐसी शर्त गलत बताई और जवाबी टैरिफ की घोषणा कर दी, जिससे बौखलाकर ट्रंप ने 1 जन. 2027 से कनाडाई ऑटो इंडस्ट्री पर 50 फीसदी टैरिफ की घोषणा कर दी।

अगर ऐसा होता है तो कनाडा के लिए बहुत मुश्किल होगी। व्यापार वार्ता टूटने से फिलहाल दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ गये अरबों डॉलर के व्यापारिक संबंधों में बड़ा बदलाव आया है और अभी समाधान का कोई रास्ता भी नहीं दिख रहा। हालांकि वार्ता के दरवाजे बंद नहीं। अमेरिकी वर्चस्व के खिलाफ कनाडा का बुलंद स्वर ट्रंप के लिए परेशानी बन सकता है।

लेखिका अंतर्राष्ट्रीय मामलों की जानकार हैं।

अपनी सुविधा से शब्दों के चयन की होड़

डॉ. ऋतु सारस्वत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर देश को संबोधित करते हुए माओवाद की चर्चा में हथियारबंद माओवादियों के खात्मे में मिली सफलता का उल्लेख करते हुए कहा, 'हथियारबंद नक्सल तो गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में है। वे हिंसा-अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं। समाज को गलत राह पर घसीटने के लिए भांति-भांति के दांव चल रहे हैं।'

भारतीय परिप्रेक्ष्य में 'माओवाद' हिंसा का पर्याय है, पर 'माओवाद' को केवल हथियारों की भाषा में समझना उसके व्यापक स्वरूप को सीमित करता है। उसकी चुनौती केवल बंदूक तक सीमित नहीं, बल्कि उस सोच तक भी जाती है, जो विचारों के स्तर पर समाज को आघात करने का प्रयास करती है।

प्रधानमंत्री ने 'दिमागी नक्सल' उसी मानसिकता की ओर संकेत करते हुए कहा, जो हथियारों के बजाय विचारों के जरिये समाज को प्रभावित करने और उसे गलत दिशा में ले जाने का प्रयास करती है।

प्रधानमंत्री ने जिस मानसिकता की पहचान करने की बात कही, उसे उसके संदर्भ से अलग करके देखने और उसका अर्थ अपनी पूर्व धारणा के अनुरूप तय करने की कोशिश शुरू हो गई। किसी बात को समग्रता में समझने के बजाय उसके चुने हुए अंश से अपने अनुकूल निष्कर्ष निकाल लेना इस प्रवृत्ति का हिस्सा है।

एक विशिष्ट प्रसंग की बात के किसी एक शब्द को चुनकर उसे व्यापक अर्थ दे देना न केवल उस कथन के मूल आशय के साथ न्याय नहीं करता, बल्कि यह भी दिखाता है कि अपनी सुविधा के अनुसार शब्दों का चुनाव और उनकी व्याख्या किस तरह एक अलग धारणा निर्मित कर सकती है। इसमें संदेह नहीं कि इस प्रसंग में शब्दों का चयन और संदर्भ की अनदेखी अपने प्रयोजन के अनुरूप की गई।

जो बात अपने लाभ और उद्देश्य के अनुकूल थी, उसे सामने रखा गया और जो उस उद्देश्य में बाधक हो सकती थी, उसे पीछे छोड़ दिया गया। अफसोस यह है कि शब्दों का ऐसा मकड़जाल रचा गया, जिसमें लोग उलझते चले गए और उसी को पूरा सत्य मानते रहे।

यह कोई पहली घटना नहीं है। अपने तात्कालिक लाभ के लिए, चर्चा या प्रसिद्धि प्राप्त करने की आकांक्षा अथवा किसी व्यक्ति या संस्था, यहां तक कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और उसके नेतृत्व की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाने के उद्देश्य से ऐसी प्रवृत्तियों का सहारा लिया जाता रहा है, लेकिन चिंता केवल इतनी नहीं है कि किसी घटना का एक पक्ष चुनकर प्रस्तुत किया गया। वास्तविक चिंता यह है कि जब यही प्रक्रिया लगातार दोहराई जाती है तो धीरे-धीरे व्यक्ति की अपनी विवेक-बुद्धि भी उन्हीं चुने हुए अंशों और उनसे निर्मित धारणाओं के बीच काम करने लगती है।

वह स्वयं तथ्य और व्याख्या, संदर्भ और निष्कर्ष तथा वास्तविकता और निर्मित धारणा के बीच अंतर करना छोड़ देता है। यहीं से भीड़तंत्र केवल सड़कों या समाज में नहीं, व्यक्ति के अपने भीतर भी आकार लेने लगता है-जहां वह स्वयं सोचने के बजाय पहले से निर्मित धारणाओं के साथ चलने लगता है और शायद सिलेक्टिव नैरेटिव (चयनात्मक प्रस्तुति) की सबसे गंभीर सफलता यही है कि वह व्यक्ति को यह अहसास भी नहीं होने देता कि उसका सोच कब उसका अपना नहीं रह गया।

शब्दों को अपने अनुकूल अर्थ देना, वाक्यों को संदर्भ से काटना और आधे सत्य को पूरा सत्य बनाकर प्रस्तुत करना कोई नई कला नहीं है, लेकिन तब किसी बात को समाज की सामूहिक चेतना तक पहुंचने में समय लगता था। आज सूचना की रफ्तार इतनी तेज है कि किसी चुने हुए शब्द, वाक्य या दृश्य को उसके सत्य और संदर्भ की जांच से पहले ही हजारों-लाखों बार दोहराया जा सकता है। जो बात बार-बार सामने आती है, वह धीरे-धीरे केवल सुनी हुई बात नहीं रहती, बल्कि वह हमारी समझ का हिस्सा बनने लगती है।

यहां सवाल उठता है कि हम किसी ऐसी बात को इतनी आसानी से स्वीकार क्यों कर लेते हैं, जिसे हमने स्वयं कभी जांचा ही नहीं? दरअसल हम जो बार-बार सुनते हैं, उसे ही कई बार पर्याप्त ज्ञान मान लेते हैं। हमारी यही कमजोरी उन लोगों के लिए सबसे बड़ा अवसर बन जाती है, जो किसी उद्देश्य से आख्यान गढ़ते हैं। उन्हें मालूम है कि मूल स्रोत तक जाकर सत्य को जानने वालों की संख्या निरंतर कम होती जा रही है। ऐसे में, किसी बात को एक खास रूप में बार-बार परोस देना ही पर्याप्त है। धीरे-धीरे वही परोसी हुई बात सत्य की जगह लेने लगती है।

निकोलस कैर अपनी पुस्तक 'द शैलोज' में बताते हैं कि सूचना तक हमारी पहुंच जितनी आसान और तेज हुई है, उतना ही यह खतरा भी बढ़ा है कि हम किसी बात पर ठहरकर विचार करने के बजाय एक सूचना से दूसरी सूचना की ओर बढ़ते रहें। हमें ऐसे वैचारिक और सामाजिक परिवेश की आवश्यकता है, जहां झूठे आख्यान गढ़ने वालों को आईना दिखाया जा सके, लेकिन केवल असत्य को पहचान लेना पर्याप्त नहीं होगा।

उसके प्रभाव को तोड़ने के लिए हमें ऐसा सशक्त बौद्धिक और सामाजिक परिवेश विकसित करना होगा, जहां तथ्य, तर्क और प्रमाण के आधार पर सत्य को मजबूती से सामने रखा जा सके। नकारात्मकता का उत्तर केवल नकारात्मकता से नहीं, बल्कि एक ऐसे सुदृढ़ वैचारिक तंत्र से दिया जा सकता है, जो सत्य को उसके पूरे संदर्भ और प्रमाण के साथ समाज तक पहुंचाए।

(लेखिका समाजशास्त्र की प्रोफेसर हैं)

प्रकृति की अनदेखी के दुष्परिणाम

डॉ. दीपक कोहली

नेपाल में आई विनाशकारी आकस्मिक बाढ़ और भूस्खलन ने एक बार फिर पूरे दक्षिण एशिया को झकझोर कर रख दिया है। हिमालय की गोद में बसी यह शांत और सुंदर भूमि जिस तरह प्राकृतिक तबाही का केंद्र बनी है, वह केवल एक भौगोलिक दुर्घटना नहीं, बल्कि प्रकृति के बढ़ते रोष और इंसानी बेपरवाही का एक भयावह प्रतीक है। उफनती नदियां, जलमग्न शहर, ताश के पत्तों की तरह बहते पक्के पुल और मलबे के नीचे दबे गांव के गांव केवल नेपाल की आपदा के दृश्य नहीं हैं, बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए एक ऐसी चेतावनी है, जिसे अब और नजरअंदाज करना आत्मघाती साबित होगा। इस त्रासदी के लिए केवल पकृति के मिजाज को जिम्मेदार ठहराना समस्या की गहराई से मुंह मोड़ना होगा। इसके पीछे अनियोजित विकास, पहाड़ों का अविवेकपूर्ण दोहन और जलवायु परिवर्तन जैसे इंसानी कारण बहुत ही गहराई से जुड़े हुए हैं।

पिछले कुछ दशकों में नेपाल के पहाड़ी क्षेत्रों और काठमांडू घाटी में जिस तरह अनियंत्रित और बेतरतीब निर्माण कार्य हुआ है, उसने प्राकृतिक जल निकासी की व्यवस्था को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों और बाढ़ के मैदानों में बहुमंजिला इमारतों, सड़कों और व्यावसायिक परिसरों का निर्माण कर लिया गया। जब नदियों के पास बहने के लिए स्वाभाविक जगह ही नहीं बची तो पानी ने आबादी वाले इलाकों का रुख किया। इसके साथ ही सड़कों के संजाल को फैलाने और रन-आफ-द-रिवर जलविद्युत परियोजनाओं को खड़ा करने के नाम पर पहाड़ों की अंधाधुंध कटाई की गई।

भारी डायनामाइट विस्फोटों ने संवेदनशील ढलानों की आंतरिक दरारों को और चौड़ा कर दिया है, जिससे वे मामूली बारिश में भी खिसकने लगी हैं। ढलानों से जंगलों की कटाई ने मृदा अपरदन की दर को कई गुना बढ़ा दिया है। पेड़ों की जड़ें जो मिट्टी को बांधकर रखती थीं, उनके गायब होने से बारिश का पानी सीधे सतह पर प्रचंड वेग से बहने लगता है। इसके ऊपर वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तन का असर अब अत्यंत प्रत्यक्ष और घातक रूप में सामने आ रहा है।

हिंदूकुश हिमालयी क्षेत्र वैश्विक औसत की तुलना में अधिक तेजी से गर्म हो रहा है। तापमान में लगातार वृद्धि के कारण मानसून का चक्र पूरी तरह से अनिश्चित हो चुका है। अब बारिश का फैलाव पूरे मौसम में समान रूप से होने के बजाय कुछ ही दिनों या घंटों की अतिवृष्टि में सिमट गया है। जब अत्यधिक मात्रा में पानी एक साथ गिरता है तो जमीन उसे सोखने में असमर्थ हो जाती है और वह सतह पर प्रचंड बाढ़ का रूप ले लेता है।

इसके साथ ही हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियरों के तेजी से लगातार पिघलने के कारण नई ग्लेशियल झीलों का निर्माण हो रहा है और पुरानी झीलों का आकार खतरनाक रूप से बढ़ रहा है। भूकंप या अत्यधिक जल-दबाव के कारण लाखों क्यूसेक पानी और मलबा कुछ ही मिनटों में नीचे घाटी की ओर बहता है, जिसकी विनाशकारी क्षमता सामान्य बाढ़ से कई गुना अधिक होती है।

नेपाल की त्रासदी को केवल एक आपदा के रूप में न देखकर एक सामरिक, वैज्ञानिक और मानवीय चुनौती के रूप में देखा जाए। पारंपरिक रूप से हमारा ध्यान केवल आपदा के बाद राहत और बचाव कार्य तक सीमित रहता है। इस प्रतिक्रियात्मक रवैये को बदलकर आपदा जोखिम न्यूनीकरण की दिशा में काम करना होगा। सबसे पहली आवश्यकता एक प्रभावी, आधुनिक और रियल-टाइम पूर्व-चेतावनी प्रणाली को विकसित करने की है।

यदि निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को बाढ़ आने से कुछ घंटे पहले भी सटीक सूचना मिल जाए तो जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। दूसरा महत्वपूर्ण कदम भारत और नेपाल के बीच जल प्रबंधन को लेकर दशकों पुराने समझौतों और ठप पड़ी वार्ताओं को पुनर्जीवित करना है। कोसी और गंडक परियोजनाओं पर नए सिरे से ध्यान देना होगा। केवल बुनियादी ढांचा खड़ा करना ही काफी नहीं है, बल्कि उस ढांचे का नियमित रखरखाव, नदियों से गाद निकालने की निरंतर प्रक्रिया और जल भंडारण क्षमता में वृद्धि के लिए आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल जरूरी है।

अब पूरे हिमालयी क्षेत्र में विकास की अवधारणा को फिर से परिभाषित करने की सख्त जरूरत है। पहाड़ों में बुनियादी ढांचे का विकास पारिस्थितिकी की कीमत पर नहीं होना चाहिए। सड़कों के निर्माण में भारी विस्फोटकों के बजाय हरित निर्माण तकनीकों का प्रयोग होना चाहिए। नदियों के तटवर्ती क्षेत्रों में अतिक्रमण को सख्ती से रोकते हुए नो-कंस्ट्रक्शन जोन घोषित किया जाना चाहिए। जब तक पहाड़ों की हरियाली और उसकी मिट्टी की पकड़ मजबूत नहीं होगी, तब तक भूस्खलन और मलबे के साथ आने वाली बाढ़ को नहीं रोका जा सकता।

ग्लेशियल झीलों के खतरे से निपटने के लिए आधुनिक उपग्रह निगरानी प्रणालियों का उपयोग कर नियमित मैपिंग की जानी चाहिए और खतरनाक झीलों से साइफनिंग तकनीक द्वारा पानी को नियंत्रित रूप से बाहर निकालकर उनके जलस्तर को सुरक्षित सीमा में रखा जाना चाहिए। सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण देना और उन्हें पूर्व-चेतावनी नेटवर्क से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। जब तक विज्ञान, नीति-निर्माण और पर्यावरणीय संवेदनशीलता का सही समन्वय नहीं होगा, तब तक हम इस प्राकृतिक और मानवजनित आपदा के भंवर से बाहर नहीं निकल पाएंगे।

(लेखक पर्यावरण मामलों के विशेषज्ञ एवं वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं)

बाढ़

प्रकृति का रौद्र रूप, विध्वंसक है स्वरूप,
अस्त व्यस्त जीव जंतु,
त्राहि-त्राहि डोलते।

झोपड़ी हैं ढह गए, फसल भी बह गए,
बाढ़ की है विभीषिका,
ज्ञान-चक्षु खोलते।

सरंक्षण मृदा कार्य,प्रथम है शिरोधार्य,
पेड़ कभी काटो मत,
हानि-लाभ तोलते।

आए दिन समाचार, छाप रहे अखबार,
जलमग्न घर-द्वार,
सच बात बोलते।

सुषमा प्रेम पटेल (रायपुर)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा 'नराकास स्तरीय तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता' संपन्न

भिलाई। नगर राजभाषा कार्यालय समिति, भिलाई-दुर्ग' (नराकास) के तत्वावधान में भारतीय जीवन बीमा निगम, शाखा क्रमांक-1, सिविक सेन्टर, भिलाई द्वारा सेक्टर-6 भिलाई स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम, विक्रय प्रशिक्षण केन्द्र में नराकास स्तरीय 'तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं भावना चांदवानी, वरिष्ठ मण्डल प्रबंधक, यूनाइटेड इण्डिया इन्श्योरेंस कंपनी लिमिटेड। प्रतियोगिता के निर्णायक राजीव कुमार आहूजा, अनुराधा धनांक, जितेन्द्र दास मानिकपुरी रहे। इस अवसर पर आयोजक संस्थान प्रमुख, एस आर विश्वनाथन, मुख्य प्रबंधक, भारतीय जीवन बीमा निगम, राजभाषा अधिकारी, इस्पीता मोदक दत्ता, प्रशासनिक अधिकारी, सुश्री आरती सोनी तथा बड़ी संख्या में जीवन बीमा निगम के कार्मिक सहित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, भिलाई-दुर्ग के सदस्य संस्थानों से आए प्रतिभागी उपस्थित थे।

जेएलएन की एडवांस बर्न यूनिट बनी झुलसे मरीजों के लिए बनी उम्मीद

भिलाई। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र का एडवांस बर्न केयर विभाग मध्य भारत में गंभीर रूप से झुलसे मरीजों के उपचार के लिए महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है। विगत माह बालोद से 65 प्रतिशत तक गंभीर रूप से झुलसी एक महिला को उपचार के लिए एडवांस बर्न केयर विभाग में भर्ती किया गया। बर्न विभाग की टीम ने मरीज की संपूर्ण देखभाल, उपचार एवं आवश्यक शल्य चिकित्सा करते हुए उसे स्वस्थ होने में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी तथा विभागाध्यक्ष (बर्न यूनिट) डॉ. उदय कुमार ने बताया कि अमेरिकन बर्न संगठन के मानकों के अनुसार 40 प्रतिशत से अधिक जलने की स्थिति को अत्यंत गंभीर श्रेणी में माना जाता है और ऐसे मामलों में मरीज के जीवन पर गंभीर जोखिम बना रहता है। प्लास्टिक सर्जन एवं स्किन बैंक प्रभारी डॉ. अनिरुद्ध मेने ने बताया कि मरीज के उपचार में स्किन बैंक से प्राप्त त्वचा का उपयोग किया गया। उन्होंने कहा कि गंभीर रूप से जले मरीजों के उपचार में स्किन बैंक की त्वचा अत्यंत उपयोगी साबित होती है।

गणेश उत्सव पर पंडालों पर रहेगी रातभर पुलिस की नजर व्यवस्था बनाने दिशा निर्देश जारी, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

50 से अधिक गणेश पंडाल समितियों के साथ बैठक कर सुरक्षा, यातायात, ध्वनि नियंत्रण एवं विसर्जन व्यवस्था के निर्देश

भिलाई। गणेश उत्सव शुरू होने से पहले दुर्ग पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। जिले की 50 से ज्यादा बड़ी और मध्यम गणेश पंडाल समितियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर पुलिस ने आयोजन से लेकर विसर्जन तक के लिए जरूरी नियम और दिशा-निर्देश स्पष्ट किए।पंडालों की सुरक्षा के लिए रात में समिति के कम से कम दो सदस्यों की मौजूदगी अनिवार्य की गई है। वहीं, विसर्जन झांकी में तीन से ज्यादा वाहन ले जाने की अनुमति नहीं होगी। पुलिस ने समितियों को भीड़ नियंत्रण, यातायात, पार्किंग, आग से सुरक्षा, बिजली व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जरूरी इंतजाम पहले से करने के निर्देश दिए हैं।

पुलिस ने समितियों को पंडाल में आने-जाने के रास्ते, मुख्य मूर्ति स्थल, पार्किंग और लोगों के इंतजार करने वाली जगहों पर निगरानी के लिए कैमरे लगाने के निर्देश दिए हैं। रात में पंडाल खाली नहीं छोड़ा जाएगा। समिति के कम से कम दो सदस्य रात के समय पंडाल में मौजूद रहेंगे। महिलाओं और पुरुषों के लिए जरूरत के अनुसार अलग प्रवेश और निकास की व्यवस्था करनी होगी। सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में महिला और पुरुष स्वयंसेवक भी तैनात करने होंगे।

सड़क घेरकर पंडाल बनाया तो होगी कार्रवाई

पुलिस ने स्पष्ट किया कि सड़क या लोगों के आने-जाने का रास्ता रोककर पंडाल या पार्किंग नहीं बनाई जाएगी। समितियों को पहले से पार्किंग की जगह तय करनी होगी। बिना अनुमति पार्किंग के नाम पर शुल्क वसूली करने पर कार्रवाई की जाएगी। झूले, मनोरंजन के साधन या झांकी में मशीनों का इस्तेमाल करने वाली समितियों को संबंधित विभाग से सुरक्षा प्रमाण पत्र लेकर पुलिस को देना होगा। हर पंडाल में आग, बिजली और सुरक्षा व्यवस्था की जांच कराना भी जरूरी होगा। आग बुझाने के उपकरणों के साथ रेत और पानी की व्यवस्था भी रखनी होगी।

रात 10 बजे के बाद लाउड स्पीकर करना होगा बंद

गणेश उत्सव के दौरान तेज आवाज को लेकर भी पुलिस ने सख्ती बरतने के निर्देश दिए हैं। रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर बजाने पर रोक रहेगी। तय सीमा से ज्यादा आवाज होने पर उपकरण जब्त करने के साथ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। पंडाल और विसर्जन झांकी में नशे का इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। जबरन चंदा वसूली की शिकायत मिलने पर संबंधित व्यक्ति के साथ समिति के खिलाफभी कार्रवाई की जा सकती है।

विसर्जन में चल सकेंगे केवल 3 वाहन, 15 फीट की झांकी

विसर्जन को लेकर पुलिस ने स्पष्ट नियम तय किए हैं। समितियों को पुलिस द्वारा तय रास्ते से ही झांकी ले जानी होगी। दूसरे रास्ते से जाने की अनुमति नहीं होगी। एक झांकी में अधिकतम तीन वाहन रखे जा सकेंगे। इनमें गणेश प्रतिमा, झांकी और बिजली या डीजे का वाहन शामिल होगा। झांकी की ऊंचाई 15 फीट से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। हर झांकी में कम से कम 8 स्वयंसेवक रखना जरूरी होगा और उनकी सूची पहले पुलिस को देनी होगी। विसर्जन के दौरान तलवार, भाला, डंडा या किसी अन्य हथियार को रखने पर रोक रहेगी। नकली तलवार जैसे सामान भी नहीं रखे जा सकेंगे। झांकी और कार्यक्रम में केवल धार्मिक गीत बजाने की अनुमति होगी।

पुलिस की अपील

दुर्ग पुलिस गणेश उत्सव समितियों एवं आम नागरिकों से अपील करती है कि धार्मिक आयोजन को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए पुलिस एवं प्रशासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करें। यातायात व्यवस्था बनाए रखने, ध्वनि मानकों का पालन करने, सुरक्षा संबंधी सावधानियां रखने तथा विसर्जन के निर्धारित मार्ग का उपयोग कर सहयोग करें।

महिला चेंबर ने बीएसएफ जवानों को बांधा रक्षा सूत्र

■ **महिला चेम्बर अध्यक्ष सुमन कनोजे के नेतृत्व में आयोजन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर महिला चेम्बर भिलाई द्वारा आज सशस्त्र सीमा बल के जवानों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। महिला चेम्बर अध्यक्ष सुमन कनोजे के नेतृत्व में टीम द्वारा सभी भाइयो को राखी बांध कर सुमन कन्नौजे ने बताया कि बहनों ने देश की सीमाओं की सुरक्षा में समर्पित वीर जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र (राखी)

बांधकर उनके प्रति सम्मान, स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त की।

कन्नौजे ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के प्रेम का पर्व नहीं, बल्कि उन वीर जवानों के प्रति आभार व्यक्त करने का भी अवसर है, जो अपने परिवार से दूर रहकर दिन-रात देश की रक्षा में जुटे रहते हैं। महासचिव सविता शर्मा ने कहा कि जवानों की कलाई पर बांधा गया रक्षा सूत्र देश की बहनों के स्नेह और विश्वास का प्रतीक है। महिला चेम्बर की ओर से जवानों को मिठाई खिलाकर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी गईं।

जवानों ने भी महिला चेम्बर की बहनों के इस स्नेह और सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महिला चेम्बर भिलाई अध्यक्ष सुमन कन्नौजे ,सविता शर्मा,हरप्रीत बग्गा व पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने देशभक्ति, भाईचारे और सामाजिक एकता की भावना को और मजबूत किया। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना महासचिव सविता शर्मा ने दी।

बीएसपी को वर्ष 2029 तक आईएमएस का फिर मिला प्रमाणन, ईडी ने किया पोस्टर का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इस्पात संयंत्र में गुणवत्ता, पर्यावरण संरक्षण तथा कार्यस्थल पर स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के उच्च मानकों को बनाए रखने की दिशा में इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम (आईएमएस) का पुन: प्रमाणन वर्ष 2029 तक के लिए प्राप्त हुआ है। इसके तहत मई 2026 में बीएसपी एवं दल्लीराजहरा मैकेनाइज्ड माइंस में क्वालिटी मैनेजमेंट सिस्टम (क्यूएमएस), एनवायरनमेंटल मैनेजमेंट सिस्टम (ईएमएस) तथा ऑक्यूपेशनल हेल्थ एंड सेफ्टी मैनेजमेंट सिस्टम

(ओएचएसएमएस) का री-सर्टिफिक्रेशन ऑडिट किया गया।

मेसर्स टीयूवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के पांच ऑडिटरों की टीम द्वारा पांच दिनों तक किए गए विस्तृत एवं गहन ऑडिट के उपरांत बीएसपी को तीनों प्रबंधन प्रणालियों के लिए आगामी तीन वर्षों की अवधि हेतु आईएमएस री-सर्टिफिक्रेशन प्रदान किया गया है।

मेसर्स टीयूवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जारी क्यूएमएस, ईएमएस एवं ओएचएसएमएस के प्रमाण-पत्रों को पोस्टर के रूप में 28 अगस्त 2026 को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) पवन कुमार द्वारा औपचारिक रूप से जारी किया गया। इस अवसर पर बिजनेस एक्सीलेंस विभाग की महाप्रबंधक सुरैया एस कादर ने जारी प्रमाण-पत्र पोस्टर को कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) को सौंपा।

ब्रह्माकुमारी बहनों ने पुलिस से लेकर जवानों और बुजुर्गों को बांधा रक्षा सूत्र

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा रक्षाबंधन के पावन अवसर पर समाज के विभिन्न वर्गों के आत्मीय भाइयों को ब्रह्माकुमारी बहनों ने रक्षा सूत्र बांधा। इस अवसर पर सभी को परमात्म महावाक्य से सुसज्जित ब्लेसिंग कार्ड प्रदान कर ईश्वरीय प्रसाद से मुख मीठा कराया गया। भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी ने कहा कि सर्व का रक्षक परमात्मा है। दैनिक जीवन में परमात्मा से अपने किसी भी आत्मीय संबंध—भाई, माता-पिता, सखा अथवा बंधु—के रूप में संबंध जोड़कर उन्हें प्रेमपूर्वक

याद करना ही राजयोग मेडिटेशन का प्रथम चरण है।

उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व केवल भाई द्वारा बहन की रक्षा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि आज हर व्यक्ति को किसी न किसी रूप में रक्षा की आवश्यकता है। हमें परमात्मा की याद के माध्यम से बुराइयों, व्यसनों और परचिंतन से स्वयं को मुक्त रखना है। उन्होंने कहा कि आज मानवीय सोच और कर्मों के प्रभाव से प्रकृति भी अशांत हो रही है, जिसके प्रत्यक्ष प्रमाण हम सभी देख रहे हैं। ऐसे समय में परमात्मा की याद से स्वयं शांत होकर हमें प्रकृति के पांचों तत्वों को भी शांति के प्रकंपन देने का प्रयास करना चाहिए। श्वेत वस्त्र धारणी ब्रह्माकुमारी बहनों ने निस्वार्थ भाव से अथक होकर रक्षाबंधन के माध्यम से सभी को पवित्रता, आत्मिक सुरक्षा, सकारात्मक सोच, व्यसनमुक्ति एवं परमात्म स्मृति द्वारा तनावमुक्त जीवन जीने का संदेश दिया ।

गोल्डन फैदरवेलफेयर फाउन्डेशन द्वारा महिला स्वावलंबन मेले का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, उनके हुनर को बाजार से जोड़ने एवं उनके द्वारा तैयार उत्पादों को उचित मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गोल्डन फैदरवेलफेयर फाउन्डेशन की अध्यक्ष सोनाली देशमुख के नेतृत्व में महिला स्वावलंबन मेले का आयोजन किया गया।

मेले का शुभारंभ सर्वोदय वेलफेयर फाउंडेशन के अध्यक्ष कृष्ण बहादुर सोनी जी की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर सोसाइटी के कमेटी मेंबर, नारी शक्ति वाहिनी की अध्यक्ष भारती गनोड़कर एवं अन्य कमेटी सदस्य, साथ ही गोल्डन फैदरवेलफेयर फाउन्डेशन की संरक्षक सुधा वैष्णवी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में सचिव डॉ. अनघा आगाशे एवं उपाध्यक्ष श्रीमती रश्मि दास सहित संस्था के सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई और मेले की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेले में घर से कार्य करने वाली महिलाओं एवं महिला उद्यमियों ने अपने विभिन्न हस्तनिर्मित एवं उपयोगी उत्पादों के स्टॉल लगाए।

महान पार्श्वगायक मुकेश की 50वीं पुण्यतिथि

भिलाई में सजी सुरों की यादगार महफिल याद-ए-मुकेश

■ **24 वर्षों की सांगीतिक परंपरा के बाद अब अगले वर्ष मनाई जाएगी याद-ए-मुकेश की सिल्वर जुबली**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महान पार्श्वगायक मुकेश चंद्र माथुर की 50वीं पुण्यतिथि के अवसर पर 27 अगस्त की शाम कला मंदिर, सिविक सेंटर, भिलाई में आयोजित याद-ए-मुकेश कार्यक्रम संगीत प्रेमियों के लिए एक अविस्मरणीय और भावपूर्ण संध्या बन गया। कार्यक्रम का आयोजन सीजी श्रमजीवी पत्रकार कल्याण संघ, एसआरजी बीएसपी एवं लाइफ केयर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। ज्योग्राफिक्रमैप्स और जीपीएस गाइड एक्सप्लोर करन

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विजय बघेल ने इस मौके पर कहा कि गीत और संगीत मनुष्य के जीवन में तनाव और थकान को दूर करने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मुकेश की मखमली और दर्द से भरी आवाज हिंदी फिल्म संगीत की अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय मुकेश की आवाज दर्द

भरे गीतों की पहचान थी और उनके गीत आज भी करोड़ों संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित हैं।

विजय बघेल ने विगत 24 वर्षों से निरंतर आयोजित हो रहे याद-ए-मुकेश कार्यक्रम के लिए आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक और संगीत समारोह लगातार आयोजित होते रहने चाहिए, ताकि नई पीढ़ी भी भारतीय फिल्म संगीत की समृद्ध विरासत से जुड़ सके। कार्यक्रम में मुकेश जी के परिवार की सदस्य चित्रा माथुर, डीआईजी प्रशांत ठाकुर, सीआईएसएफ के कमांडेंट दीपक सावलाखिया, रमेश श्रीवास्तव, विपिन बंसल, भाजपा नेता कन्हैया सोनी एवं गुरमीत धनाई बंटी जलाराम सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

प्रदीप शर्मा के लाइव अभिनय ने ताजा की राज कपूर की याद

कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ फिल्मी कलाकार प्रदीप शर्मा की प्रस्तुति रही। कार्यक्रम के संयोजक कैलाश जैन बरमेचा ने बताया कि प्रदीप शर्मा ने फिल्म मेरा नाम जोकर के प्रसिद्ध गीत जाने कहाँ गए वो दिन पर जोकर का लाइव अभिनय प्रस्तुत कर महान अभिनेता राज कपूर की यादों को मंच पर जीवंत कर दिया। उनकी भावपूर्ण अभिनय प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा सभागार गूंज उठा। ज्योग्राफिक्रमैप्स और जीपीएस गाइड एक्सप्लोर करना

देर रात तक झूमते रहे संगीत प्रेमी

कार्यक्रम के दौरान मुकेश के सदाबहार और लोकप्रिय गीतों की शानदार प्रस्तुतियों ने संगीत प्रेमियों को देर रात तक सभागार में बांधे रखा। मेरी तमन्नाओं की तकदीर, सुहानी चाँदनी रातें, कभी-कभी मेरे दिल में, ओ मेरे सनम, तेरे होंठों के दो फूल प्यारे-प्यारे, मेरा प्यार भी तू है, तुम रूठी रहो, इक प्यार का नगमा है, देख के तुमको दिल डोला है, चंदन सा बदन तथा महंगाई मार गई जैसे यादगार गीतों की सुमधुर प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इन कलाकारों ने दी स्वरांजलि

पार्श्वगायक मुकेश को अपनी मधुर आवाज में श्रद्धांजलि देने वाले कलाकारों में उमेश विश्वकर्मा, संदीप राजपूत, रफीक, सजीव सुधाकरण, रियाज अहमद, प्रसाद मैथ्यू, कमाल अख्तर, एंथोनी फ्रांसिस, अनिल राउतकर, जाहिद अली, तरुण पिठानिया, सीमा पटेल, ज्योति कश्यप, नीतू गोस्वामी, बीना सजीव, विभा दुबे एवं पीयूषा मनहरे शामिल रहीं। कार्यक्रम का संगीत संयोजन यश यादव एवं उनकी टीम ने किया, जबकि शानदार साउंड सिस्टम की व्यवस्था स्वर संगम मीलू द्वारा की गई।

अगले वर्ष याद-ए-मुकेश की सिल्वर जुबली

कार्यक्रम के अंत में आयोजक बी.डी. निजामी ने सभी मुख्य अतिथियों, गणमान्य नागरिकों, कलाकारों एवं संगीत प्रेमी श्रोताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि आगामी वर्ष याद-ए-मुकेश का 25वां वर्ष पूर्ण होने पर इसका भव्य सिल्वर जुबली समारोह आयोजित किया जाएगा। याद-ए-मुकेश की यह सुरमयी शाम एक बार फिर यह संदेश दे गई कि महान गायक मुकेश भले ही हमारे बीच सशरीर नहीं हैं, लेकिन उनकी अमर आवाज और उनके गीत सदैव संगीत प्रेमियों के दिलों में जीवित रहेंगे।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

अंतिम सांस तक संघर्ष की सीख देता है खेलः कुलपति प्रो. मनोज दयाल

रायपुर। खेल केवल शारीरिक और मानसिक तंदुरुस्ती का जरिया नहीं, बल्कि यह विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी अंतिम क्षण तक संघर्ष कर विजयश्री हासिल करने का साहस प्रदान करता है। यह विचार कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय (केटीयू), रायपुर के कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। विश्वविद्यालय प्रांगण में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. दयाल ने कहा कि खेलों के माध्यम से विद्यार्थियों में टीम भावना, नेतृत्व क्षमता, धैर्य, उत्साह, सकारात्मकता और आपसी समन्वय जैसे जीवन-मूल्यों का बीजारोपण होता है। ये गुण न केवल व्यक्तित्व को संतुलित और बहुआयामी बनाते हैं, बल्कि आज के दौर में तनाव मुक्त जीवन जीने का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। खेलकूद हमें विपरीत परिस्थितियों से जूझना भी सिखाते हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में परिसर में विविध पारंपरिक एवं नवाचारी खेलों की धूम रही। इसमें विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने 'ओंकार दौड़', 'केंद्र कबड्डी', 'नेताजी की पहचान', 'मत चूको चौहान', 'शेर-आदमी-बंदूक' और 'सुदर्शन चक्र' जैसी स्पर्धाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इन खेलों का सभी ने भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. दयाल के साथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव सुनील शर्मा, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, प्राध्यापक, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। सभी ने खेल भावना का परिचय देते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

लक्ष्य हासिल करने के लिए जुनून जगाएं और मेहनत करें : राज्यपाल रमेन डेका

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका बलौदाबाजार विकासखंड के ग्राम चाम्पा स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित लोकार्पण एवं सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने विद्यालय के नवनिर्मित सभाकक्ष का लोकार्पण किया। साथ ही, वरिष्ठ शिक्षकों, 10वीं व 12वीं के मेधावी छात्रों, पीएटी में चयनित विद्यार्थियों और 'हम होंगे कामयाब' योजना के तहत रोजगार प्राप्त 9 युवाओं को सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि नवनिर्मित सभाकक्ष से विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने के लिए सांस्कृतिक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने शिक्षक-छात्र संबंधों की प्रगाढ़ता पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षकों को अपने आचरण से छात्रों का रोल मॉडल बनना चाहिए। छात्रों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए जुनून पैदा करें और उसे हकीकत में बदलने के लिए निरंतर कड़ी मेहनत करें। नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि यह

नीति कौशल विकास और विषय विशेषज्ञता हासिल करने में सहायक है।

मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने छात्रों से अपील की कि वे तकनीक का इस्तेमाल केवल आवश्यक कार्यों के लिए ही करें। सोशल मीडिया और एआई सुविधाजनक जरूर हैं, लेकिन इनका अत्यधिक उपयोग आत्ममंथन और सृजनात्मक को कम कर देता है।

राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने राज्यपाल के आगमन को चाम्पा गांव के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने अपने स्कूली दिनों को याद करते हुए कहा कि शिक्षक न केवल शिक्षा देते हैं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी का बोध भी कराते हैं। उन्होंने छात्रों को असफलताओं से न घबराकर कड़ी मेहनत जारी रखने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम को पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल ने भी संबोधित किया।

राज्यपाल ने अपनी स्वर्गीय माता चम्पावती डेका की स्मृति में स्कूल परिसर में अमलताश का पौधा रोपा। राजस्व मंत्री व अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी एक पेड़ माँ के नाम लगाया।

शतरंज का खेल हमें धैर्य, एकाग्रता और जीवन जीने की कला सिखाती है : साव

'चेकमेट एट जशपुर 2026' का खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने किया शुभारंभ

- 29 अगस्त से 1 सितंबर तक आयोजन
- 12 राज्यों के 175 से अधिक खिलाड़ी और कोच हो रहे शामिल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने जशपुर में पहली बार आयोजित 'चेकमेट एट जशपुर' अखिल भारतीय ओपन फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता 2026' का शुभारंभ किया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा जशपुर जिला शतरंज संघ द्वारा 29 अगस्त से 1 सितम्बर तक जशपुर के पुरानी टोली स्थित कम्युनिटी हॉल में किया जा रहा है। इसमें देशभर के 12 राज्यों के 175 खिलाड़ी और कोच भागीदारी कर रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शतरंज परम्परा और संस्कृति से जुड़ा हुआ खेल है। शतरंज हमें जीवन जीने की कला सिखाती है। यह जीवन में धैर्य रखना, कोई कदम आगे बढ़ाने से पहले सोचना और निर्णय लेने की सीख देती है। कठिन समय में धैर्य न खोना, एकाग्रता बनाए रखना, सोच-समझकर आगे चलना और हर चुनौती का सामना करना शतरंज सिखाती है। इसके 64 खानों और 32 मोहरो में जीवन का सीख छिपा है।

उद्घाटन समारोह में वनवासी कल्याण आश्रम के योगेश बापट, छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ रामप्रताप सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत, जशपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगा राम भगत, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेंद सिंह और मुख्य नगर पालिका अधिकारी योगेश्वर उपाध्याय सहित जनप्रतिनिधि, खिलाड़ी एवं कोच बड़ी संख्या में शुभारंभ कार्यक्रम में उपस्थित थे।

फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता क्या है : फिडे रेटेड शतरंज प्रतियोगिता वह आधिकारिक शतरंज टूर्नामेंट है, जिसके परिणाम अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ को भेजे जाते हैं और खिलाड़ियों को इसके आधार पर वैश्विक रेटिंग अंक मिलते हैं या घटते-बढ़ते हैं। यह प्रतियोगिता फिडे के नियमों और तय समय नियंत्रण के अनुसार खेली जाती है।

रेटिंग में सुधारः इन टूर्नामेंटों में प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों की अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग तय होती है और शुरुआती खिलाड़ियों को अपनी पहली आधिकारिक रेटिंग मिलती है। इस तरह की प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ी के पास फिडे आईडी होना जरूरी होता है।

ऋण लेकर सुभद्रा ने एक एकड़ में लगाया खीरा, अच्छी आमदनी की उम्मीद

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने और आत्मनिर्भरता की राह पर आगे बढ़ाने में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। बिहान से जुड़ने के बाद महिलाओं को समूह के माध्यम से ऋण और आवश्यक सहयोग उपलब्ध हो रहा है, जिसका उपयोग वे कृषि, पशुपालन, मछली पालन, सब्जी उत्पादन सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों में कर रही हैं। इससे ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार और आय के नए अवसर तैयार हो रहे हैं।

इसी बदलाव की प्रेरक कहानी है अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत सकालो की रहने वाली श्रीमती सुभद्रा मंडल की। काली माँ स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद सुभद्रा ने समूह के माध्यम से 1 लाख रुपए का ऋण लिया और इस राशि का उपयोग कर एक एकड़ भूमि में खीरे की खेती शुरू की। खेती के इस प्रयास के साथ उन्होंने अपनी आय बढ़ाने और परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

सुभद्रा मंडल बताती हैं कि पहले आर्थिक संसाधनों की कमी के कारण वे खेती-बाड़ी को बड़े स्तर पर नहीं कर पाती थीं। परिवार की आमदनी सीमित थी और रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद खेती में निवेश के लिए पर्याप्त पूंजी उपलब्ध नहीं हो पाती थी।

वे बताती हैं कि खेती को आय के अतिरिक्त और स्थायी साधन के रूप में विकसित करने की इच्छा थी, लेकिन पूंजी के अभाव में यह संभव नहीं हो पा रहा था। ऐसे समय में बिहान से जुड़ना उनके लिए नई उम्मीद लेकर आया।

सुभद्रा ने बताया कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें अपनी आर्थिक गतिविधि को आगे बढ़ाने का अवसर मिला। समूह के माध्यम से ऋण सुविधा प्राप्त होने पर उन्होंने कृषि को आजीविका का साधन बनाने का निर्णय लिया और एक एकड़ में खीरे की खेती शुरू की।

वे कहती हैं कि ऋण ने उन्हें केवल खेती शुरू करने के लिए पूंजी ही उपलब्ध नहीं कराई, बल्कि अपने दम पर कुछ करने का आत्मविश्वास भी दिया। अब वे अपनी मेहनत से उत्पादन बढ़ाकर परिवार की आय में योगदान देने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

सुभद्रा मंडल का कहना है कि खीरे की खेती से प्राप्त होने वाली आमदनी से परिवार की आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। साथ ही भविष्य में खेती से होने वाले लाभ को दोबारा आजीविका गतिविधियों में निवेश कर आय के स्थायी साधन को और मजबूत करने की योजना है। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अपनी मेहनत और निरंतर प्रयासों से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना तथा 'लखपति दीदी' बनने की दिशा में आगे बढ़ना है। उनके लिए खेती अब केवल पारंपरिक कार्य नहीं, बल्कि परिवार की आय बढ़ाने और बेहतर भविष्य तैयार करने का माध्यम बन गई है।

सुभद्रा मंडल ने बिहान योजना से जोड़ने और आजीविका गतिविधि शुरू करने के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराने पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि बिहान से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक गतिविधि शुरू करने और अपनी मेहनत को आय के अवसर में बदलने का रास्ता मिला है। उन्होंने कहा कि समूह के माध्यम से मिला आर्थिक सहयोग उनके लिए आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का महत्वपूर्ण आधार बना है। अब वे खेती के माध्यम से अपनी आय बढ़ाने और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं।

बस्तर के वनांचल में राखी ने बदली 'दुश्मनी' की परिभाषा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कलाई आगे बढ़ी तो कुछ पल के लिए जैसे समय ठहर गया। सामने सुरक्षा बल का जवान था और हाथ में राखी लिए खड़ी थी वह महिला, जिसकी जिंदगी के करीब 25 साल जंगल, नक्सली संगठन और संघर्ष के बीच बीते थे। कभी जिस वर्दी को देखकर मन में टकराव और अविश्वास पैदा होता था, उसी वर्दी की कलाई पर इस बार उसने राखी बांधी। जवान ने भी बहन का रिश्ता स्वीकार किया, शगुन दिया और मिठाई खिलाई।

भानुप्रतापपुर के सुरक्षा बल कैंप में रक्षाबंधन का यह दृश्य बस्तर की बदलती तस्वीर की कहानी कह रहा था। यह सिर्फ राखी बांधने का कार्यक्रम नहीं था। यह उस दूरी को पाटने की कोशिश थी, जो वर्षों के हिंसक संघर्ष ने समाज और सुरक्षा बलों के बीच पैदा कर दी थी।

करीब 25 वर्षों तक नक्सली संगठन का हिस्सा रहीं मीना और अन्य पूर्व नक्सली महिलाओं के लिए यह पल सामान्य नहीं था। जंगल की जिंदगी में हथियार और संघर्ष उनका अतीत रहे हैं। लेकिन अब वही हाथ एक नए रिश्ते की शुरुआत कर रहे थे।

सुरक्षा बल के कैंप में पहुंचीं पूर्व नक्सली महिलाओं ने जवानों

की कलाई पर राखी बांधी। जवानों ने भी उन्हें बहन के रूप में स्वीकार किया। शगुन दिया, मिठाई खिलाई और इस रिश्ते को सम्मान दिया।

यह तस्वीर इसलिए भी खास थी क्योंकि बस्तर में कई सालों तक सुरक्षा बल और नक्सली आमने-सामने रहे हैं। गोलियों और बारूदी सुरंगों के बीच बने इस तनाव के बीच एक राखी ने संवाद और विश्वास की एक नई जगह बनाई।

करीब ढाई दशक तक नक्सली संगठन का हिस्सा रहना किसी भी व्यक्ति की जिंदगी पर गहरी छाप छोड़ता है। जंगल की जिंदगी, संगठन की सोच और संघर्ष के बीच बीते वर्षों के बाद मुख्यधारा में लौटना आसान नहीं होता। ऐसे में राखी का यह धागा मीना और उनके साथ आई महिलाओं के लिए एक नए सामाजिक रिश्ते की शुरुआत जैसा था।

जिस समाज और सुरक्षा व्यवस्था से कभी दूरी रही, उसी समाज के प्रतिनिधि जवान की कलाई पर राखी बांधना यह संकेत भी है कि अतीत की कड़वाहट को पीछे छोड़कर नई जिंदगी की ओर बढ़ने की कोशिश जारी है।

बस्तर में बदल रही है कहानी

बस्तर की कहानी लंबे समय तक नक्सली हिंसा, मुठभेड़, शहीद जवानों और भय के इर्द-गिर्द लिखी जाती रही। गांवों में बंदूक की मौजूदगी ने सामान्य जीवन को प्रभावित किया। विकास की राह भी हिंसा के साए में आगे बढ़ती रही। लेकिन अब इसी बस्तर से कहानी के कुछ नए अध्याय सामने आ रहे हैं।

हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटते लोग, गांवों में पहुंचती विकास की योजनाएं, बनती सड़कें, खुलते स्कूल और स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ सामाजिक विश्वास बहाली के प्रयास भी बदलाव का हिस्सा बन रहे हैं। भानुप्रतापपुर का यह रक्षाबंधन उसी बदलाव की मानवीय तस्वीर है।

राखी का धागा छोटा है, लेकिन इस आयोजन का संदेश बड़ा है। यह संदेश उन लोगों के लिए है जो कभी हिंसा के रास्ते पर चले गए थे कि वापसी का रास्ता खुला है। यह समाज के लिए संदेश है कि मुख्यधारा में लौटने वालों को स्वीकार करना जरूरी है। और यह सुरक्षा बलों के लिए भी एक मानवीय पहल है कि कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी निभाने के साथ विश्वास का रिश्ता भी बनाया जा सकता है। नक्सल प्रभावित क्षेत्र में रक्षाबंधन का यह आयोजन इसलिए महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि यहां राखी सिर्फ कलाई पर नहीं बंधीकृयह भरोसे पर बंधी।

जहां कभी डर था, वहां अब भरोसे की कोशिश

छत्तीसगढ़ सरकार के नक्सल मुक्त बस्तर के संकल्प और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शांति, विकास और विश्वास के साथ आगे बढ़ते बस्तर की यह तस्वीर बताती है कि किसी भी संघर्ष का अंत केवल बंदूक से नहीं होता। स्थायी शांति के लिए लोगों के बीच भरोसा लौटना भी उतना ही जरूरी है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के संकल्प के साथ नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे प्रयासों के बीच यह पहल बस्तर के बदलते सामाजिक माहौल की एक भावुक तस्वीर पेश करती है।

कैंप में राखी बंधने के बाद शायद सबसे बड़ा बदलाव यही था कि कुछ देर के लिए वहां किसी ने यह नहीं देखा कि सामने वाला कल कौन था। देखा तो सिर्फ इतना गया कि आज वह सामने खड़ा व्यक्ति कौन है - एक भाई, एक बहन और एक ऐसे समाज का हिस्सा, जो अपने अतीत से आगे बढ़कर शांति की ओर जाना चाहता है। बस्तर में कभी बंदूक रिश्तों के बीच खड़ी थी। इस रक्षाबंधन में उसी जगह एक धागा खड़ा था- रिश्तों का, भरोसे का और नए बस्तर का।

महिला पुलिसकर्मियों ने भी बढ़ाया हाथ

इस आयोजन में महिला पुलिसकर्मियों ने भी हिस्सा लिया। कभी नक्सल हिंसा के खिलाफ अभियानों और सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा रहे सुरक्षा बल के जवान और पूर्व नक्सली महिलाएं इस दिन किसी संघर्ष के दो पक्ष नहीं, बल्कि एक-दूसरे के भाई-बहन नजर आए। रक्षाबंधन के इस छोटे से आयोजन में संदेश बड़ा था - अगर हथियार छोड़कर मुख्यधारा में लौटे लोगों को समाज में स्वीकार्यता मिले और सुरक्षा बलों के साथ विश्वास का रिश्ता बने, तो नक्सल प्रभावित इलाकों में स्थायी शांति की राह और मजबूत हो सकती है।

एसपी निखिल राखेचा बोले-रिश्ते सामान्य होंगे

कांकेर जिले के पुलिस कप्तान निखिल राखेचा ने इस पहल को नक्सल समस्या के समाधान की दिशा में एक अनूठा प्रयास बताया। उन्होंने कहा, यह एक अनूठा प्रयास है कि नक्सलवाद की जो समस्या थी, उसके समाधान की दिशा में हम जो कदम बढ़ा रहे हैं, उसका यह प्रतीक स्वरूप रक्षाबंधन है। इस रिश्ते के धागे से रिश्ते सामान्य होंगे। ऐसे प्रयास केवल त्योहार मनाने तक सीमित नहीं हैं। इनका उद्देश्य समाज में विश्वास बहाली को मजबूत करना और मुख्यधारा से जुड़ने की प्रक्रिया को गति देना भी है।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

टॉक्सिक से पहले इन फिल्मों में अपना अभिनय कौशल दिखा चुकीं तारा सुतारिया, एक में अकेले दहाड़ीं

तारा सुतारिया अपनी हालिया रिलीज फिल्म टॉक्सिक को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें मुख्य अभिनेता यश हैं। इस एक्शन-थ्रिलर ड्रामा में उन्होंने रेबेका नाम का एक बेहद अलग और डार्क किरदार निभाया है। यह उनके फिल्म करियर की पहली पैन-इंडिया फिल्म है। तारा ने अपना करियर बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट डिज्नी के शो द सूट लाइफ ऑफ करण एंड कबीर से किया था। इसके बाद फिल्मों में पहचान बनाई। चलिए एक नजर उनके अब तक के फिल्मी सफर पर डालते हैं।

तारा को बॉलीवुड की दुनिया में लाने का श्रेय फिल्म निर्माता करण जौहर को जाता है। उनकी कंपनी धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से अभिनेत्री ने फिल्मी दुनिया में कदम रखा। यह फिल्म साल 2019 में रिलीज हुई थी।

उनके साथ टाइगर श्रॉफ और अनन्या पांडे भी फिल्म में मुख्य किरदार निभाने हुए नजर आए। कॉलेज ड्रामा पर आधारित इस फिल्म में तारा ने एक शहरी और ग्लैमरस लड़की का किरदार निभाया था।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 की सफलता के बाद, तारा को सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म मरजावां में देखा गया। इस रोमांटिक-ड्रामा में उन्होंने एक गूंगी लड़की का चुनौतीपूर्ण किरदार निभाया था। इसके बाद उन्हें हीरोपंती 2 और एक विलेन रिटर्न्स जैसी बड़े बजट की फिल्मों में देखा गया। हालांकि, तारा की यह सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल न दिखा सकीं और फ्लॉप साबित हुईं, लेकिन तारा ने अपने अभिनय के लिए खूब वाहवाही बटोरी।

साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म अपूर्वा तारा के करियर के लिए सबसे बड़ा बदलाव साबित हुई। निखिल नागेश भट द्वारा निर्देशित यह सर्वाइवल थ्रिलर महिला प्रधान फिल्म है।

इसमें उन्होंने न सिर्फ अपनी ग्लैमरस छवि को पीछे छोड़ा, बल्कि हिम्मतवाली लड़की का संजीदा किरदार निभाकर वह पर्दे पर अकेले दहाड़ती दिखीं। उनके अभिनय को खूब सराहा गया।

फिल्म में उनके अलावा, अभिषेक बनर्जी, राजपाल यादव और धैर्य करवा भी अहम भूमिकाओं में मौजूद रहे।

क्या अमाल मलिक को हो रहा पछतावा?

म्यूजिक कंपोजर अमाल मलिक ने फरहाना भट्ट के साथ अपनी दोस्ती को लेकर चल रही अटकलों पर बात की। बिग बॉस 19 में साथ रहने के बाद, अमाल और फरहाना ने 'यहीं गुजार दूं' नाम के एक म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। अब, म्यूजिक कंपोजर ने अपनी बिग बॉस 19 की साथी कंटेस्टेंट से अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगी है।

अमाल मलिक ने फरहाना भट्ट से मांगी माफी

एक्स पर अमाल मलिक ने एक लंबा नोट लिखा, जिसमें उन्होंने फरहाना और उनके फैनबेस के बारे में अपनी पिछली पोस्ट का जिक्र किया। बिग बॉस 19 कंटेस्टेंट ने माना कि एक्ट्रेस के बारे में उनका एक बयान सही नहीं था। उन्होंने लिखा...

मैंने एक बात गलत कही थी, 'तुम्हें 100 पुरुषों के साथ जोड़ने' वाली बात बकवास थी, जो गुस्से में निकल गई थी। हां, यह तुम्हारे नाम का अनादर था। मुझे सच में अफसोस है।

मैं तुम्हें हर उस बेवकूफके लिए जिम्मेदार नहीं मानता जो तुम्हारा फैन होने का दावा करता है। फरहाना के बारे में मेरा बयान गलत, अनावश्यक और अनादरपूर्ण था। मैं उसके लिए माफी मांगता हूं।

उकसाने के बाद दिया था बयान

उन्होंने आगे बताया कि उन्होंने वह पिछली पोस्ट एक्ट्रेस के फैनबेस के एक हिस्से की तरफ से महीनों तक उकसाने, अपमानित करने, एडिट्स और धमकियों के बाद लिखी थी।

अमाल ने फरहाना के साथ अपने सीक्रेट रोमांस की थ्योरीज को खारिज कर दिया। बिग बॉस 19 के कंटेस्टेंट ने बताया कि म्यूजिक वीडियो रिलीज होने के बाद से वह और अभिनेत्री एक-दूसरे से नहीं मिले हैं। हालांकि उन्होंने मिलने की योजना बनाई थी, लेकिन अपने प्रोफेशनल कामों की वजह से ऐसा कभी नहीं हो पाया।

अमाल ने प्रतिभागियों को दी बधाई

एक और ट्वीट में, उन्होंने फरहाना के लिए एक मैसेज शेयर किया। म्यूजिक कंपोजर ने उन्हें और बिग बॉस 19 के दूसरे कंटेस्टेंट्स को शुभकामनाएं दीं। हालांकि, उन्होंने बिना किसी कड़वाहट के आभार और विनम्रता के साथ अपनी दोस्ती को खत्म करने का फैसला किया।

आखिर में, अमाल ने बताया कि बिग बॉस 19 से जुड़ा यह उनका आखिरी पोस्ट था। उन्होंने वादा किया कि वे जल्द ही नेटिजन्स से फिर जुड़ेंगे और शायद उनके साथ बिग बॉस का अगला सीजन भी देखेंगे।

क्या बोले थे अमाल?

आपको बता दें कि फैंस अमाल मलिक का नाम फरहाना के साथ जोड़ रहे थे। इस पर अमाल ने कहा था कि यूजर्स उन्हें और फरहाना को एक साथ जोड़ना बंद कर सकते हैं या जारी रख सकते हैं। उन्होंने आगे कहा था कि वे एक्ट्रेस को उनके साथ या 100 पुरुषों के साथ जोड़ सकते हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ लोगों की भलाई की परवाह है और वे उनके लिए शुभकामनाएं ही देंगे।

प्रतीक गांधी की फिल्म घमासान का ट्रेलर रिलीज खूंखार डाकू बनकर आए अरशद वारसी

बॉलीवुड निर्देशक तिग्मांशु धूलिया ने अपनी फिल्म घमासान का ट्रेलर जारी कर दिया है। प्रतीक गांधी की मुख्य भूमिका वाली यह एक क्राइम थ्रिलर है, जिसमें अरशद वारसी भी अहम किरदार में हैं। इसका निर्माण जियो स्टूडियो और गोल्डन रेशियो फिल्म्स के बैनर तले किया गया है।

राजपाल यादव और इशिता दत्ता भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। फिल्म की कहानी अपराध, राजनीति, जातिगत समीकरण, डर और सत्ता जैसे तत्वों का मिश्रण पेश करती है। इसका प्रीमियर डिजिटल प्लेटफॉर्म पर होगा।

घमासान की कहानी मध्य भारत के बीहड़ों की पृष्ठभूमि पर आधारित एक ईमानदार IPS अधिकारी (प्रतीक) के इर्द-गिर्द बुनी गई है, जिस पर खूंखार डाकू सरगना (अरशद) को पकड़ने की जिम्मेदारी है।

ट्रेलर में जहां प्रतीक अपने अभिनय से लुभाते हैं, तो वहीं अरशद खलनायक के किरदार में डराते हैं।

निर्माताओं ने इसे जारी करते हुए कैप्शन दिया, खौफ का कानून या कानून का खौफ?

फिल्म का प्रीमियर 11 सितंबर, 2026 को जी5 पर हिंदी भाषा में किया जाएगा।

रवीना टंडन की बेटी राशा थड़ानी की अगली फिल्म 'लाईकी लाईका' का फैंस को बेसब्री से इंतजार है। मगर फिलहाल मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट से संबंधित कोई जानकारी साझा नहीं की है। इसी बीच फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने इसे लेकर एक खास जानकारी दी।

'उई अम्मा' की सफलता का असर, राशा को लेकर 'लइका लइकी' के मेकर्स कर रहे खास तैयारी

क्या है फिल्म से जुड़ा अपडेट?

एक रिपोर्ट के मुताबिक राशा का इस फिल्म में एक जबरदस्त डांस हो सकता है। सूत्र ने बताया, 'फिल्म के पोस्ट-प्रोडक्शन के दौरान जिन लोगों ने भी फिल्म देखी है, उन सभी ने अभय और राशा के अभिनय की तारीफ की है। हालांकि, आज के दौर में जब बॉलीवुड सिनेमा में संगीत की भी अहम भूमिका है और राशा यूथ के बीच फेमस भी हैं तो फिल्म निर्माता इसका पूरा फायदा उठाना चाहते हैं। अब मेकर्स अलग से एक और गाना शूट करने की योजना बना रहे हैं, जिससे दर्शकों के बीच फिल्म की पहुंच और बढ़ सके।'

पोस्टर से दिए थे दर्शकों को हिंट

मेकर्स ने जनवरी 2026 में इस फिल्म का पोस्टर रिलीज किया था। इस पोस्टर के अनुसार फिल्म की कहानी रोमांटिक होगी। पोस्टर में एक लड़का और एक लड़की स्नीकर शूज पहने कपल की तरह खड़े हुए थे। दोनों के जूतों पर खून बिखरा हुआ था।

इस पोस्टर से तो ऐसी हिंट मिलती है कि फिल्म सिर्फ एक लव स्टोरी ही नहीं है। इसमें दोनों के रिश्तों के बीच कोई खतरनाक मोड़ भी यकीनन आएगा।

कब रिलीज होगी फिल्म?

सौरभ गुप्ता निर्देशित 'लईकी लईका' में राशा और अभय लीड रोल में नजर आएंगे। दोनों पहली बार किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। फिल्म के पोस्टर पर दी गई जानकारी के मुताबिक यह 2026 की गर्मियों में रिलीज होनी थी। मगर इसे स्थागित कर दिया गया। फिलहाल मेकर्स ने फिल्म की नई रिलीज डेट को लेकर कोई घोषणा नहीं की है।

जंक फूड का सेवन हो सकता है जानलेवा इन 5 समस्याओं का बन सकता है कारण

जंक फूड का सेवन शरीर के लिए नुकसानदायक है। यह न केवल आपके कमर के आकार को प्रभावित कर सकता है, बल्कि कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण भी बन सकता है। अधिक जंक फूड खाने से मधुमेह, हृदय रोग और मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ सकता है। आइए जानते हैं कि जंक फूड के सेवन से किन-किन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

मधुमेह का बढ़ता जोखिम

जंक फूड का अधिक सेवन मधुमेह के खतरे को बढ़ा सकता है।

इनमें मौजूद ज्यादा शक्कर रक्त शर्करा के स्तर को असंतुलित कर सकती है, जिससे शरीर में इंसुलिन की समस्या हो सकती है। यह स्थिति मधुमेह का कारण बन सकती है।

इसके अलावा जंक फूड में मौजूद अधिक कैलोरी और कम पोषण तत्व भी मधुमेह के मरीजों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसलिए जंक फूड से दूरी बनाकर रखें।

हृदय रोग का खतरा

जंक फूड का अधिक सेवन दिल की बीमारियों का भी कारण बन सकता है।

इनमें मौजूद ज्यादा चर्बी और हानिकारक तत्व रक्तचाप को बढ़ा सकते हैं और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को असंतुलित कर सकते हैं, जिससे दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ता है।

इसके अलावा जंक फूड में मौजूद अधिक कैलोरी और कम पोषण तत्व भी दिल के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इसलिए दिल के मरीजों को जंक फूड से दूरी बना लेनी चाहिए।

मानसिक स्वास्थ्य पर असर

जंक फूड का अधिक सेवन मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डाल सकता है।

इनमें मौजूद ज्यादा शक्कर और चर्बी की मात्रा दिमाग के काम करने के तरीके को बिगाड़ सकती है, जिससे उदासी, चिंता और तनाव जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

इसके अलावा जंक फूड के सेवन से ध्यान केंद्रित करने में भी दिक्कत हो सकती है। इसलिए मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी जंक फूड से दूरी बनाकर रखें।

पाचन तंत्र की समस्याएं

जंक फूड का अधिक सेवन पाचन तंत्र के लिए भी नुकसानदायक हो सकता है। इनमें मौजूद ज्यादा चर्बी और कम रेशों की मात्रा कब्ज, पेट दर्द और अपच जैसी समस्याओं का कारण बन सकती है।

इसके अलावा जंक फूड के सेवन से पेट फूलना और गैस की समस्या भी हो सकती है।

इसलिए पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने के लिए जंक फूड से दूरी बनाकर रखें और रेशों युक्त आहार को प्राथमिकता दें।

कैंसर का खतरा

जंक फूड का लगातार सेवन कैंसर जैसी गंभीर बीमारी का भी खतरा बढ़ा सकता है।

इनमें मौजूद हानिकारक रसायन शरीर में जहरीले पदार्थों का संचय कर सकते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं का निर्माण कर सकते हैं।

इसके अलावा जंक फूड में प्रयुक्त अप्राकृतिक रंग और रसायन भी सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

इसलिए इन जानलेवा समस्याओं से बचने के लिए जितना संभव हो उतना कम जंक फूड का सेवन करें।

कीर्ति सुरेश संग थरकते दिखे नानी, रिलीज हुआ 'द पैराडाइज' का गाना 'येशा नागुला'

फिल्म 'द पैराडाइज' का दूसरा गाना 'येशा नागुला' मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। इस गाने को अनिरुद्ध रविचंदर के यूएस म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान स्टेज रिलीज किया गया। जानें क्या खास है गानें में?

क्या गाना करेगा थिरकने पर मजबूर?

'येशा नागुला' फिल्म 'द पैराडाइज' का यह दूसरा गाना है। इस गानें में साउथ अभिनेता नानी के साथ कीर्ति सुरेश भी नजर आएंगी। यह गाना एक हाई एनर्जी म्यूजिक का फील देता है। गानें में दोनों ही एक्टर्स ने जमकर डांस किया है। फैंस को उनके जबरदस्त डांस मूव्स के साथ-साथ मजेदार और बिहाइंड-द-सीन्स मोमेंट्स भी देखने को मिलते हैं। 'येशा नागुला' का म्यूजिक अनिरुद्ध रविचंदर ने कंपोज किया है।

फिल्म 'द पैराडाइज' के बारे में

फिल्म 'द पैराडाइज' साउथ सिनेमा की बहुप्रतिक्षित फिल्म है। फिल्म में नानी का किरदार काफी दमदार दिखाया गया है। फिल्म में एक्शन, ड्रामा और थ्रिल सबकुछ दिखाई दे रहा है। फिल्म का निर्देशन श्रीकांत ओडेला करेगें। इस फिल्म के दौरान नानी का लुक फैंस के बीच काफी पॉपुलर हो रहा है। कुछ दिन पहले रिलीज हुए टीजर में लंबे बालों में फिल्म में उनका किरदार काफी खूंखार दिखा।

कब रिलीज होगी 'द पैराडाइज'?

'द पैराडाइज' श्रीकांत ओडेला की एक और महत्वाकांक्षी फिल्म है। एसएलवी सिनेमाज के बैनर तले बनी 'द पैराडाइज' 21 अगस्त 2026 को बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म हिंदी, तेलुगु, तमिल, इंग्लिश, स्पेनिश, बंगाली, कन्नड़ और मलयालम कुल आठ भाषाओं में आएगी। फिल्म की कास्ट में कई दिग्गज अभिनेता नजर आएंगे।

खास-खबर

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत शहरी क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन

कांकेर। कलेक्टर कुंदन कुमार द्वारा दिए गए निर्देशानुसार प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी देने के साथ ही उनसे आवेदन प्राप्त करने के लिए जिले के शहरी क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया जाएगा। जिला पंचायत सीईओ एवं योजना के नोडल अधिकारी हरेश मंडावी से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत आवासीय परिसरों में उपभोक्ताओं को योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी प्रदान करने के साथ ही उनसे आवेदन प्राप्त करने के लिए 01 सितंबर मंगलवार को नरहरपुर के तहसील कार्यालय परिसर में शिविर लगाया जाएगा। इसी प्रकार 02 सितंबर बुधवार को न्यू कम्युनिटी हॉल कांकेर में और 03 सितंबर गुरुवार को नगर पंचायत चारामा में बस स्टैंड के बाजू स्थित गांधी मैदान में शिविर लगाया जाएगा। सोलर प्लांट लगवाने के इच्छुक उपभोक्ता उक्त शिविर में उपस्थित होकर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत आवासीय परिसरों मं सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा आकर्षक सब्सिडी प्रदान किया जा रहा है। इस योजना के तहत सोलर प्लांट लगवाने पर 01 किलोवाट क्षमता के लिए 45 हजार रुपए, 02 किलोवाट क्षमता के लिए 90 हजार रुपए और 03 किलोवाट क्षमता के सोलर प्लांट स्थापित करने पर 01 लाख 08 हजार रुपए की सब्सिडी प्रदान किया जा रहा है। उपभोक्ता इस अवसर का फायदा उठाते हुए अपने घरों में सोलर प्लांट लगवा सकते हैं।

अटल आरोग्य लैब बनी मरीजों के लिए बड़ी राहत

रायगढ़। छत्तीसगढ़ सरकार की अटल आरोग्य लैब योजना आम नागरिकों के लिए गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना के तहत किरोड़ीमल जिला चिकित्सालय, रायगढ़ में मरीजों को विभिन्न प्रकार की जांच सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। बीते दो माह में यहां 6,044 मरीजों ने इस सुविधा का लाभ लिया है, जबकि कुल 25,835 जांचें की जा चुकी हैं। जिला चिकित्सालय में स्थापित अटल आरोग्य लैब के माध्यम से 134 प्रकार की विभिन्न चिकित्सा जांचों की सुविधा उपलब्ध है। इससे मरीजों को महंगी जांचों के लिए निजी पैथोलॉजी सेंटरों का सहारा लेने की आवश्यकता कम हुई है। खासकर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह सुविधा बड़ी राहत बनकर सामने आई है। अटल आरोग्य लैब का उद्देश्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आधुनिक एवं विश्वसनीय जांच सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि मरीजों को उपचार के लिए आवश्यक जांच अपने ही जिले और नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में मिल सके। इससे ग्रामीण एवं दूरदराज क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के सपने को हकीकत में बदलने का बना सहारा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। अपना घर होना हर व्यक्ति के जीवन का एक बड़ा सपना होता है। मेहनत-मजदूरी कर जीवन चलाने वाले परिवारों के लिए पक्का मकान बनाना आसान नहीं होता। रोज की कमाई से परिवार की जरूरतें पूरी करना ही चुनौती हो, तो घर बनाने के लिए बचत कर पाना मुश्किल होता है।

ऐसे में शासन की आवास योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए सुरक्षित और पक्के आशियाने की उम्मीद को हकीकत में बदलने का माध्यम बन रही है। तमनार विकासखंड के ग्राम पंचायत महलोई की रहने वाली दूरपति राठिया भी ऐसे ही संघर्षपूर्ण जीवन से गुजरी हैं। विधवा एवं एकल महिला दूरपति मेहनत-मजदूरी कर अपना जीवन-यापन करती हैं।

सीमित आमदनी में रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना ही उनके लिए चुनौती थी। पक्का मकान बनाना उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर था। लंबे समय तक वह कच्चे मिट्टी के मकान में रहती थीं। बरसात का मौसम उनके लिए सबसे अधिक परेशानी लेकर आता था। बारिश में छत से पानी टपकता और घर के भीतर नमी व गंदगी फैल जाती थी। कच्ची दीवारों के कमजोर होने से गिरने का डर बना रहता था। ऐसे हालात में सुरक्षित छत की कमी हर समय महसूस होती थी। इन परिस्थितियों के बीच दूरपति मेहनत-मजदूरी करते हुए अपने पक्के घर की आस लगाए रहीं। उनका मानना था कि यदि कभी पक्का मकान मिल जाए तो बारिश और मौसम की परेशानियों से काफी राहत मिलेगी तथा वह सुरक्षित माहौल में अपना जीवन गुजार सकेंगी।

की यह उम्मीद प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से पूरी हुई। योजना के अंतर्गत उनका आवास स्वीकृत हुआ और निर्माण के लिए शासन से सहायता राशि प्राप्त हुई। इसके बाद उनके पक्के घर के निर्माण का रास्ता खुला और आखिरकार उनका वर्षों पुराना इंतजार खत्म हुआ।

आज दूरपति अपने नए पक्के प्रधानमंत्री आवास में सुरक्षित जीवन बिता रही हैं। पक्के घर ने उनके जीवन में स्थायित्व के साथ आत्मविश्वास और सुकून भी बढ़ाया है। नए घर के सामने खड़ी दूरपति के चेहरे की खुशी उनके जीवन में आए इस बदलाव को साफ बयां करती है। जिन परिस्थितियों में पक्का घर उनके लिए केवल एक सपना था, आज वही सपना एक मजबूत और सुरक्षित आशियाने के रूप में उनके सामने है। प्रधानमंत्री आवास योजना उनके लिए सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि सुरक्षित जीवन और सम्मान के साथ आगे बढ़ने का आधार बनी है।दूरपति राठिया ने पक्का आवास मिलने पर शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि अपने पक्के घर में रहना उनके लिए बेहद खुशी और सुकून का अनुभव है।

शनिवार बना सीखने-खेलने और सृजन का दिन, बैगलेस डे पर स्कूलों में दिखी नई रौनक

किताबों के बोझ से परे बच्चों ने सीखा खेल, स्वच्छता और सृजन का पाठ

श्रीकंचनपथ न्यूज

सूरजपुर। शनिवार को जिले के स्कूलों में कक्षाओं का माहौल कुछ अलग था। कंधों पर बस्ते नहीं थे, लेकिन सीखने का उत्साह भरपूर था। कहीं बच्चे खेल के मैदान में अपनी प्रतिभा दिखा रहे थे, तो कहीं बाल फिल्म के जरिए नई दुनिया से रूबरू हो रहे थे। किसी विद्यालय में स्वच्छता का संदेश गूंजा, तो कहीं रक्षाबंधन पर रचनात्मक लेखन के माध्यम से बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को शब्द दिए। बैगलेस डे ने शनिवार को विद्यालयों को सीखने, सृजन और सहभागिता के जीवंत मंच में बदल दिया।

कलेक्टर रेना जमील एवं जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र पाटले तथा जिला शिक्षा अधिकारी लता बेक सूरजपुर के निर्देशानुसार जिले के समस्त विद्यालयों में बाल फिल्म प्रदर्शन, खेलकूद गतिविधि, स्वच्छता अभियान एवं रक्षाबंधन आधारित रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

सेजस भैयाथान एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैजनाथपुर में खंड शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में गतिविधियों का अवलोकन किया गया। मुख्यमंत्री डीएवी ओड़गी में खो-खो प्रतियोगिता हुई, वहीं पीएम सेजस ओड़गी में 'स्लमडॉग मिलेनियर' बाल फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इस दौरान डीएमसी मनोज साहू, सहायक संचालक शिक्षा अजय सिंह एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी सहित शिक्षकों ने विद्यार्थियों के साथ फिल्म देखी।

प्रेमनगर के पीएम चंदननगर, भैयाथान के शिवप्रसाद नगर, सूरजपुर के जयनगर, रामानुजनगर के परशुरामपुर, पस्ता और ओड़गी के चेंद्रा सहित अधिकांश विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, एलईडी टीवी, लैपटॉप एवं मोबाइल के माध्यम से बाल फिल्मों का प्रदर्शन किया गया।

साथ ही ओड़गी विकासखंड के सभी 18 हायर सेकंडरी स्कूलों का भौतिक एवं दूरभाष के माध्यम से निरीक्षण कर सरगुजा ओलंपिक में 14 वर्ष से अधिक आयु के विद्यार्थियों का शत-प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए और इसकी मॉनिटरिंग भी की गई।

स्वयं की मेहनत और सरकारी सहयोग से कमलेश यादव बनीं 'लखपति दीदी'

श्रीकंचनपथ न्यूज

एमसीबी। कभी अपने छोटे-से व्यवसाय को आगे बढ़ाने का सपना देखने वाली कमलेश यादव आज आत्मनिर्भरता और सफलता की मिसाल बन चुकी हैं। मरवाही विकासखंड के ग्राम पंचायत मंझगवा की कमलेश यादव वंदना महिला स्वसहायता समूह से जुड़ीं और समूह की अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हुए अपनी मेहनत को नई दिशा दी। स्वसहायता समूह से जुड़ने के बाद कमलेश को आरएफ, सीआईएफ और बैंक लोन के माध्यम से आर्थिक सहयोग मिला। इस सहयोग का बेहतर उपयोग करते हुए उन्होंने चिकन स्टोर का व्यवसाय शुरू किया। इसके साथ ही वे सिलाई का कार्य भी कर रही हैं। आय के दो साधनों ने उनके परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कमलेश की मेहनत, लगन और सही अवसरों के मेल का परिणाम है कि आज उनकी वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक हो गई है। अपनी इस उपलब्धि के साथ वे 'लखपति दीदी' के रूप में नई पहचान बना रही हैं। कमलेश यादव का कहना है कि महिला स्वसहायता समूह से जुड़ना उनके जीवन में बदलाव का महत्वपूर्ण पड़ाव रहा। समूह के माध्यम से मिले वित्तीय सहयोग ने उन्हें अपने पैरों पर खड़े होने और अपने हुनर को व्यवसाय में बदलने का अवसर दिया। अपनी सफलता के लिए कमलेश ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मिल रहा सहयोग उनके जैसे अनेक परिवारों के लिए नई उम्मीद और बेहतर भविष्य का रास्ता तैयार कर रहा है। कमलेश यादव की कहानी आज गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा है कि स्वसहायता समूह से जुड़कर न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हुआ जा सकता है, बल्कि आत्मनिर्भरता की नई पहचान भी बनाई जा सकती है।

एकलव्य विद्यालय में कक्षा 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में रिक्त सीटों पर लेटरल एंट्री से प्रवेश

रायगढ़। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छोटेमुड़पार, खरसिया में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में रिक्त सीटों पर लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। विद्यालय में कुल 19 रिक्त सीटों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। रिक्त सीटों में कक्षा 8वीं में 1, कक्षा 9वीं में 1 तथा कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय में 16 और कला संकाय में 1 सीट शामिल है। इच्छुक पालक एवं विद्यार्थी विद्यालय कार्यालय में संपर्क कर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन के साथ अंकसूची की छायाप्रति, आधार कार्ड, जाति, निवास एवं फोटो संलग्न करना होगा।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 7 सितंबर 2026 शाम 5 बजे निर्धारित की गई है। कक्षा 8वीं एवं 9वीं अंग्रेजी माध्यम में अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में 9 सितंबर 2026 को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। वहीं कक्षा 11वीं में कक्षा 10वीं की अंकसूची के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी। प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी हेतु एडमिशन इंचार्ज जवाहर लाल सिन्हा से मोबाईल नंबर-8839201173 पर संपर्क कर सकते है।

उप मुख्यमंत्री ने किया 93 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुरनगर। उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने जशपुर कम्युनिटी हॉल में जिले के विकास कार्य के लिए 93 करोड़ रुपए की सौगात दी है। उन्होंने विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन भी किया इनमें 86.99 करोड़ रुपए के अमृत मिशन के तहत जल प्रदाय योजना और 7 करोड़ रुपए के गंदे पानी के शुद्ध करने के लिए वाटर फिल्टर के कार्य शामिल हैं। इसी प्रकार जशपुर के नगर के विकास के लिए 4 करोड़ 68 लाख रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि जशपुर के विकास के लिए पैसों की कोई कमी नहीं होने देंगे, रानी सती तालाब, हाई टेक बस स्टैंड, वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल के जीर्णोद्धार, सहित अन्य कार्यों के लिए राशि स्वीकृत की जाएगी।

इस अवसर पर वनवासी कल्याण आश्रम के महामंत्री योगेश बापट छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल के अध्यक्ष डॉ रामप्रताप सिंह नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द भगत जशपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष गंगा राम भगत, कलेक्टर रोहित व्यास वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उमेंद सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी योगेश्वर उपाध्याय और अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

गंगरेल, रुद्री डेम,माडमसिल्ली और नरहरा में उमड़ा पर्यटकों का सैलाब

प्राकृतिक सौंदर्य के बीच कयाकिंग और वाटर स्पोर्ट्स का रोमांच जिला प्रशासन ने पर्यटकों की सुविधाओं का रखा विशेष ध्यान

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। जिले में पर्यटन को नई पहचान और नई ऊंचाई देने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का असर अब गंगरेल, रुद्री डेम माडमसिल्ली और नरहरा जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर साफ दिखाई दे रहा है। प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण इन पर्यटन स्थलों में इन दिनों बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं। जलाशयों की शांत लहरों, हरियाली से आच्छादित पहाड़ियों और मनोहारी प्राकृतिक वातावरण के बीच पर्यटक परिवार और मित्रों के साथ सुकून के पल बिताने के साथ ही कयाकिंग, वाटर स्पोर्ट्स और अन्य जलक्रीड़ाओं का रोमांच भी ले रहे हैं।

गंगरेल जलाशय और रुद्री डेम पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां जलक्रीड़ा गतिविधियों के विस्तार से पर्यटन को नया आयाम मिला है। कयाकिंग सहित विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स के माध्यम से पर्यटक जल की लहरों पर रोमांच का अनुभव कर रहे हैं। वहीं जलाशय का विहंगम दृश्य, सूर्यास्त का मनोहारी नजारा और आसपास की हरियाली पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है। माडमसिल्ली और नरहरा भी प्राकृतिक पर्यटन एवं पारिवारिक मनोरंजन के लिए पसंदीदा स्थल के रूप में उभर रहे हैं।

जिला प्रशासन द्वारा पर्यटकों की सुविधा और सुरक्षित पर्यटन को ध्यान में रखते हुए इन स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाओं को बेहतर किया जा रहा है। पर्यटकों के लिए पार्किंग व्यवस्था, स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित परिसर, बैठने के स्थान, गार्डन एवं हरित क्षेत्र, आवागमन की सुविधा तथा मनोरंजन के विभिन्न विकल्पों पर विशेष ध्यान दिया गया है। पर्यटन स्थलों को आकर्षक और सुविधाजनक बनाने के साथ ही साफ-सफाई, पेयजल तथा सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को भी प्राथमिकता दी जा रही है। जलक्रीड़ा गतिविधियों में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर भी प्रशासन का विशेष जोर है।

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि धमतरी जिले में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। गंगरेल, रुद्री डेम,माडमसिल्ली और नरहरा जैसे प्राकृतिक स्थलों को सुविधायुक्त एवं आकर्षक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि यहां आने वाले पर्यटकों को प्राकृतिक सौंदर्य के साथ सुरक्षित, स्वच्छ, सुव्यवस्थित और यादगार पर्यटन अनुभव मिले। जलक्रीड़ा एवं साहसिक गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

गंगरेल , रुद्री और माडमसिल्ली की जलराशि तथा नरहरा की प्राकृतिक छटा इन दिनों पर्यटकों के कैमरों में भी खूब कैद हो रही है। परिवारों के लिए शांत वातावरण, युवाओं के लिए रोमांचक जलक्रीड़ा और प्रकृति प्रेमियों के लिए मनमोहक दृश्य—इन पर्यटन स्थलों पर मनोरंजन और प्रकृति का सुंदर संगम देखने को मिल रहा है। जिले में पर्यटन सुविधाओं के विकास से धमतरी अब केवल एक पड़ाव नहीं, बल्कि प्रकृति, रोमांच और सुकून का आकर्षक पर्यटन गंतव्य बनकर उभर रहा है।

महतारी वंदन की राशि से बेटी के उज्ज्वल भविष्य की तैयारी कर रही मीना बाई साहू

गरियाबंद। महतारी वंदन योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के साथ-साथ उनके परिवार और बच्चों के बेहतर भविष्य की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। गरियाबंद जिले छुरा विकासखंड अंतर्गत रावणभाठा निवासी मीना बाई साहू भी इस योजना से लाभान्वित होकर अपने परिवार के भविष्य को संवारने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। मीना बाई साहू ने बताया कि वे बिहान स्व-सहायता समूह से जुड़कर आजीविका गतिविधियों से भी निरंतर जुड़ी हुई हैं। 1,000 की मासिक राशि को वे अपनी बेटी प्रीति साहू के भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में जमा कर रही हैं। उनका कहना है कि छोटी-छोटी बचत आज उनकी बेटी के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव बन रही है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी को सश्रम कारावास की सजा

जांजगीर। नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर शादी का झांसा देने, अपहरण करने और दुष्कर्म के मामले में न्यायालय ने कड़ा फैसला सुनाया है। अपर सत्र न्यायाधीश एफटीएससी (पाक्सो) जांजगीर, रविन्दर कौर की अदालत ने आरोपी सूरज यादव (19 वर्ष), निवासी तरौद को पाक्सो एक्ट के तहत 20 वर्ष के सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक चंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पीड़िता की मां ने 14 जनवरी 2025 को थाना जांजगीर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रात के वक्त नाबालिग अपने कमरे से गायब हो गई थी। पुलिस ने विवेचना के दौरान पीड़िता को आरोपी के कब्जे से बरामद किया। पीड़िता ने बताया कि इंस्टाग्राम के जरिए उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी, जिसके बाद वह उसे अपने साथ ले गया था। अभियोजन ने 9 गवाह पेश किए, जिसके आधार पर सजा हुई।

मरवाही में फांसी के फंदे से लटका मिला महिला का शव

एमसीबी। मरवाही जिले के मरवाही थाना क्षेत्र में एक महिला का शव घर के पास पेड़ पर फांसी के फंदे से लटका मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। परिजनों ने शव देखते ही इसकी सूचना पुलिस को दी। जानकारी मिलते ही मरवाही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नीचे उतरवाकर जांच संबंधी कार्रवाई शुरू की। बपुलिस ने प्रथम दृष्टया मामले को आत्महत्या से जोड़कर देखा है, हालांकि महिला ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के लोगों और परिजनों से पूछताछ कर घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत की वास्तविक परिस्थितियों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

मोटरसाइकिल चोरी के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर। सरगुजा जिले में वाहन चोरी के मामले में फरार चल रहे आरोपी को मणिपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अपने साथी के साथ मिलकर मोटरसाइकिल चोरी की वारदात को अंजाम देता था। मामले में प्रार्थी गंगा प्रसाद बंजारे, निवासी बाबूपारा अंबिकापुर ने 13 जुलाई 2026 को थाना मणिपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 10 जुलाई की रात ड्यूटी के लिए अपनी होंडा शाइन मोटरसाइकिल लेकर जिला अस्पताल अंबिकापुर गया था। उसने मोटरसाइकिल अस्पताल परिसर में शेड के नीचे खड़ी की थी। ड्यूटी खत्म होने के बाद जब वह वापस लौटा तो मोटरसाइकिल अपने स्थान से गायब मिली। आसपास तलाश करने के बाद भी वाहन का पता नहीं चला। इसके बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ थाना मणिपुर में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इरफान उर्फ धन्नू अंसारी (30), निवासी हरसागर तालाब, मोमिनपुरा अंबिकापुर को पकड़कर पूछताछ की।

3.5 किलो पैंगोलिन शल्क समेत नक्सली सामग्री बरामद

कांकेर। कांकेर जिले के नक्सल प्रभावित छोटेबेठिया इलाके में सुरक्षा बलों को सर्चिंग अभियान के दौरान बड़ी बरामदगी हाथ लगी है। ग्राम मोरखण्डी के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में जवानों ने एक संदिग्ध नक्सली डंप का पता लगाया। नक्सल गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कांकेर जिले के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में लगातार संयुक्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में जिला बल, बीएसएफ और बीडीएस की टीम ने मोरखण्डी के जंगलों में सघन सर्चिंग शुरू की थी। अभियान के दौरान जवानों को जंगल में संदिग्ध सामान छिपाकर रखे होने की जानकारी मिली। जवानों ने मौके की तलाशी ली तो वहां नक्सल डंप बरामद हुआ। डंप से अन्य नक्सली सामग्री के अलावा पैंगोलिन के शल्क भी मिले। बरामद शल्क का वजन करीब 3.5 किलोग्राम बताया गया है। सुरक्षा बलों ने सभी सामग्री को कब्जे में लेकर छोटेबेठिया थाना पहुंचाया, जहां नियमानुसार कार्रवाई की गई।

रायपुर में पुलिसकर्मी के घर चोरीः ताला तोड़कर नकदी-जेवर ले गए चोर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी रायपुर में पुलिसकर्मी के घर चोरी का मामला सामने आया है। पंडरी थाना क्षेत्र के दुबे कॉलोनी स्थित ग्रैंडले विहार में चोरों ने महिला थाना में पदस्थ आरक्षक दीपक पटेल के घर को निशाना बनाया। वारदात के समय आरक्षक रात्रि गश्त पर गया था, जबकि उसकी पत्नी और बच्चे भी घर पर नहीं थे।

पंडरी पुलिस के मुताबिक रक्षाबंधन के मौके पर दीपक पटेल की पत्नी और बच्चे गांव गए हुए थे। घर में किसी के नहीं होने का फायदा उठाकर चोर देर रात मकान में घुस गए। चोरों ने पहले मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ा। इसके बाद अंदर रखी अलमारियों के लॉक तोड़कर नकदी और जेवरात चोरी कर लिए।

गश्त से लौटने पर मिली चोरी की जानकारी

रात्रि गश्त से लौटने के बाद आरक्षक

दीपक पटेल घर पहुंचा तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था और अलमारियों के ताले भी टूटे हुए थे। जांच करने पर नकदी और जेवर चोरी होने की जानकारी सामने आई। घटना की सूचना मिलते ही पंडरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। चोरी की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड और क्राइम टीम को भी बुलाया गया। टीमों ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। साथ ही संदिग्धों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस चोरी हुए नकदी और जेवरात की कीमत का आकलन कर रही है। अधिकारियों के मुताबिक आरोपियों तक पहुंचने के लिए जांच तेज कर दी गई है।

पत्नी की हत्या का खुलासा, 4 महीने तक तमिलनाडु में छिपा रहा, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। कापू थाना क्षेत्र में 3 जून को ननकी बाई पहाड़ी कोरवा की हत्या के मामले में पुलिस ने उसके पति कार्तिक राम को करीब चार महीने बाद गिरफ्तार किया है। वारदात के बाद आरोपी तमिलनाडु भाग गया था और पुलिस की ट्रैकिंग से बचने के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं कर रहा था। 'ऑपरेशन क्लीन हंट' के तहत पुलिस ने गांव लौटते ही उसे गिरफ्तार कर लिया।

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के कापू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गुड़ाआमा इंचपारा पेलमा में जून 2026 को ननकी बाई पहाड़ी कोरवा की नृशंस हत्या कर दी गई थी। पुलिस जांच और पूछताछ के अनुसार, मृतका का पति कार्तिक राम पहाड़ी कोरवा अपनी पत्नी के साथ चावल खरीदने घोघरा बाजार गया था।

बाजार से लौटते समय दोनों ने शराब का सेवन किया। वापसी के दौरान गाड़ा घुटरा के जंगल-पहाड़ी रास्ते पर ननकी बाई नशे की हालत में सो गई। जब पति ने घर चलने को कहा तो दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।

विवाद बढ़ने पर आरोपी कार्तिक राम ने आपा खो दिया और पत्नी पर हाथ-मुक्कों से हमला कर दिया। इसके बाद उसने लकड़ी के डंडे और पास पड़े भारी

पत्थर से ननकी बाई के सिर और शरीर पर ताबड़तोड़ वार किए। हमले में महिला के सिर, चेहरे, आंख, पीठ, जांघ और कोहनी पर गंभीर चोटें आईं, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मृतका के पिता जीतन राम पहाड़ी कोरवा व प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों और पंचनामे के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी कापू भेजा गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टर द्वारा मौत को हत्यात्मक बताए जाने पर कापू पुलिस ने धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया।

हत्या के बाद तमिलनाडु भागा मोबाइल भी किया बंद

वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी गिरफ्तारी के डर से तमिलनाडु भाग गया था। पुलिस की ट्रैकिंग से बचने के लिए वह मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं कर रहा था और उसके पास आधार कार्ड भी नहीं था। रायगढ़ जिले में फरार वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे 'ऑपरेशन क्लीन हंट' के तहत कापू पुलिस ने अपना मुखबिर तंत्र सक्रिय रखा।

चार महीने बाद गांव लौटा तो पुलिस ने घेर लिया

करीब चार महीने बाद जैसे ही आरोपी के गांव लौटने की पक्की खबर मिली, थाना प्रभारी धर्माराम तिर्की के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे धर दबोचा। पुलिस के मुताबिक आरोपी की गिरफ्तारी के बाद मामले की जांच में आगे की कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस आरोपी को घटनास्थल पर ले गई और पूरे घटनाक्रम का रीक्रिएशन कराया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया लकड़ी का डंडा और पत्थर बरामद कर जब्त कर लिया है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

बहन की अस्थियां विसर्जित करने आया युवक महादेव घाट में डुबा, 30 घंटे बाद भी लापता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राजधानी के महादेव घाट में खारुन नदी में डूबे युवक युधिष्ठिर सारंग (35) का 30 घंटे बाद भी कोई सुराग नहीं मिल सका है। युधिष्ठिर अपनी बहन की अस्थियां विसर्जित करने परिवार के साथ महादेव घाट पहुंचा था। अस्थि विसर्जन के बाद वह नदी में नहाने गया। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और एनीकट के पास बने भंवर में फंसकर डूब गया।

घटना शुक्रवार दोपहर करीब 12:30 बजे की है। रायपुरा के सतनामी पारा का रहने वाला युधिष्ठिर सारंग अपने जीजा और परिवार के अन्य लोगों के साथ महादेव घाट पहुंचा था। परिवार के लोग नदी में नहा रहे थे। इसी दौरान युधिष्ठिर और रामेश्वर गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। मौके पर मौजूद मछुआरों ने रामेश्वर को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, लेकिन युधिष्ठिर तेज बहाव में आगे बह गया और एनीकट के नीचे गहरे पानी में डूब गया।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम नाव और अन्य संसाधनों की मदद से नदी में लगातार युवक की तलाश कर रही है। नदी की गहराई, तेज बहाव और एनीकट के पास बने भंवर के कारण रेस्क्यू ऑपरेशन में काफी मुश्किलें आ रही हैं। 30 घंटे बीतने के बाद भी शव नहीं मिलने से परिवार की चिंता बढ़ गई है। घाट पर परिजन लगातार मौजूद हैं और युवक के मिलने का इंतजार कर रहे हैं। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम का सर्च ऑपरेशन जारी है।

पिस्टलनुमा एयरगन से दहशत फैलाने फायरिंग एयरगन और बाइक छोड़कर आरोपी फरार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में पिस्टलनुमा एयरगन से दहशत फैलाने का मामला सामने आया है। बीती रात मामूली विवाद के बाद बाइक सवार युवक ने युवक की कनपटी पर पिस्टलनुमा एयरगन तान दी। इसके बाद दहशत फैलाने के लिए दो राउंड फायरिंग भी की। घटना के दौरान आसपास के लोगों की भीड़ जुटने लगी तो आरोपी बाइक और एयरगन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक कोतरारोड रामबाग के पास रहने वाला कुशल अग्रवाल (26) घर से पैदल कोल्ड ड्रिंक लेने निगम कॉम्प्लेक्स की ओर जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक से उसके ऊपर पानी का छींटा पड़ गया। इस पर कुशल ने आवाज देकर बाइक सवार को रोक लिया।

आवाज सुनकर बाइक सवार युवक गुस्से में आ गया। दोनों के बीच मामूली विवाद होने लगा। इसी दौरान बाइक सवार ने पिस्टलनुमा एयरगन निकाली और कुशल की कनपटी पर तान दी। इसके बाद दहशत फैलाने के लिए दो राउंड फायरिंग की गई,

जिससे कुशल को मामूली चोट आई। घटना के बाद शोरगुल सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचने लगे। लोगों की भीड़ बढ़ती देख आरोपी अपनी बाइक और पिस्टलनुमा एयरगन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच की।

पुलिस ने मौके से मिली मोटरसाइकिल और पिस्टलनुमा एयरगन को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बरामद सामान के आधार पर पुलिस आरोपी की पहचान करने और उसके संभावित ठिकानों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी खंगाल रही है। फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है।

पुरानी रंजिश में मारपीट दो आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर। चिंगराजपारा इलाके में पुरानी रंजिश को लेकर दो युवकों के साथ बेरहमी से मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष के मुताबिक, 10 से अधिक युवकों ने संजय राजपूत और राजा ठाकुर को घेरकर बेसबॉल बैट, लोहे की पाइप, रॉड और धारदार हथियारों से हमला किया। हमले में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों के सिर पर कुल 55 टांके लगे हैं। वहीं संजय के हाथ-पैर में फ्रैक्चर भी हुआ है। दोनों का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सरकंडा थाना पुलिस ने वीडियो में नजर आ रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

बीजापुर में नक्सली डंप बरामदः नक्सली संगठन का पूर्व सदस्य हुआ गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। बीजापुर जिले के बासागुड़ा थाना क्षेत्र में पुलिस और डीआरजी की टीम ने नक्सल विरोधी अभियान के दौरान बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है। उसके पास से बड़ी मात्रा में विस्फोटक और नक्सली सामान बरामद किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, बासागुड़ा थाना और डीआरजी की संयुक्त टीम पेगड़ापल्ली के जंगल में अभियान चला रही थी। इसी दौरान घेराबंदी कर बोगम लखमू (39) को पकड़ा गया। वह चिन्नागेलूर का रहने वाला है।

पूछताछ में बोगम लखमू ने बताया कि वह पहले प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन के

चिन्नागेलूर सदस्य के रूप में काम कर चुका है। उसने नक्सलियों की सामग्री और विस्फोटक छिपाकर रखने और पहुंचाने की बात भी बताई। तलाशी के दौरान उसके पास से 50,050 रुपए नकद, एक बीजीएल लांचर, 18 बीजीएल सेल, 12 तीर बम, एक हैंड ग्रेनेड, .303 के 15 जिंदा राउंड, 31 बीजीएल कार्ट्रिज समेत अन्य सामान बरामद हुआ। पुलिस ने सभी सामान को जब्त कर सील कर दिया और पंचनामा तैयार किया। आरोपी के खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया।

एम्स के सामने 10 ठेले जब्त, 20 हटाएः टाटीबंध में ट्रैफिक पुलिस और निगम की संयुक्त कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर के टाटीबंध स्थित एम्स के सामने सड़क किनारे लगे ठेले-खोमचे पर ट्रैफिक पुलिस और नगर निगम ने संयुक्त कार्रवाई की। सड़क और आवागमन क्षेत्र में अतिक्रमण कर लगाए गए ठेलों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान 10 ठेले जब्त किए गए, जबकि करीब 15 से 20 ठेले मौके से हटाए गए। कार्रवाई के बाद एम्स के सामने मुख्य मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। इससे वाहनों के साथ पैदल आने-जाने वाले लोगों को भी राहत मिली।

एम्स के सामने सड़क किनारे ठेले-खोमचे लगने से अक्सर आवागमन प्रभावित होता है। अस्पताल होने के कारण यहां एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों की आवाजाही सबसे महत्वपूर्ण है। इसी को देखते हुए यातायात पुलिस ने अभियान चलाया।

पुलिस ने ठेला-खोमचा संचालकों को समझाइश दी कि सड़क, फुटपाथ या सार्वजनिक रास्ते पर ठेले लगाकर यातायात

बाधित न करें। पुलिस उपायुक्त यातायात एवं प्रोटोकॉल डॉ. अर्चना झा के निर्देश पर यातायात पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी यातायात टाटीबंध भुनेश्वर साहू के नेतृत्व में नगर निगम की 'प्रहरी' टीम के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई।

यातायात पुलिस के मुताबिक एम्स जैसे प्रमुख अस्पताल के सामने यातायात व्यवस्था को सुचारु रखना प्राथमिकता है। मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी न हो और एंबुलेंस बिना रुकावट अस्पताल तक पहुंच सके, इसके लिए ऐसे स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी। पुलिस और नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में सुगम यातायात के लिए अतिक्रमण के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 24.08.2026

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र "अ" में प्रतिशत दर पर दिनांक 08.09.2026 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क्र./ सि.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)	आमंत्रण
287/198211	खैरागढ़ उपसंभाग अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत कार्य (जोनल एजेन्सी)	25.00	द्वितीय
288/198212	छुईखदान उपसंभाग अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में वार्षिक मरम्मत कार्य (जोनल एजेन्सी)	25.00	द्वितीय
289/198213	उपसंभाग डोंगरगढ़ के अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में विशेष मरम्मत कार्य (जोनल एजेन्सी)	25.00	द्वितीय
290/198215	उपसंभाग डोंगरगढ़ के अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में एम.ओ.डब्ल्यू. कार्य (जोनल एजेन्सी)	30.00	द्वितीय
291/198216	उपसंभाग क्र 01 राजनांदगांव के अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में एम.ओ.डब्ल्यू. कार्य (जोनल एजेन्सी)	30.00	द्वितीय
292/198217	उपसंभाग डोंगरगढ़ के अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में साधारण मरम्मत कार्य (जोनल एजेन्सी)	25.00	द्वितीय
293/198218	कवर्धा जिला कबीरधाम के आई.टी.आई छात्रावास भवन का निर्माण कार्य	43.41	तृतीय

टीप

1. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
2. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. कमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग

जी-262702997/5

रायपुर के 30 स्पा सेंटरों पर पुलिस का छापा

रायपुर। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट ने शनिवार को शहर में चल रहे स्पा सेंटरों पर छापा मारा। पुलिस की कुल 15 टीमों ने 100 से ज्यादा अफसर-कर्मचारियों के साथ बड़े स्तर पर सघन जांच पड़ताल की। इस दौरान 30 स्पा सेंटरों पर अचानक दबिश देकर जांच की गई। औचक निरीक्षण से कई स्पा सेंटरों में हड़कंप मच गया। इस दौरान शहर में तरह-तरह की बातें होती रहीं। पुलिस के मुताबिक,जांच के दौरान दो स्पा सेंटर में आपत्तिजनक सामग्री मिली। इसमें थाना डीडी के तहत संचालित एलिना स्पा सेंटर और थाना पंडरी क्षेत्र के अंबुजा मॉल के थाई स्पा सेंटर शामिल हैं। दोनों सेंटरों के मैनेजर और कर्मचारियों के खिलाफ पुलिस ने आवश्यक प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की।

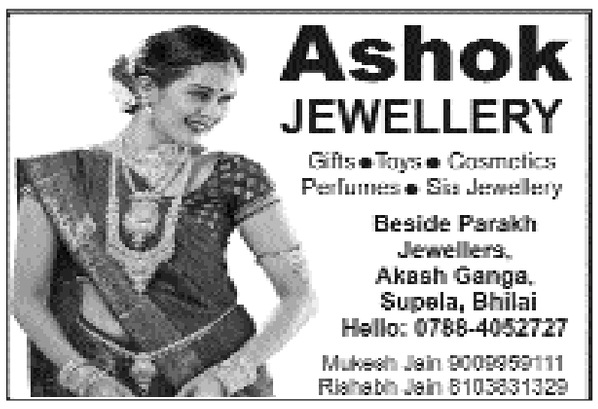

खास खबर

राष्ट्रीय खेल दिवस पर वित्त मंत्री चौधरी ने दी शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर देश के सभी खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों एवं खेल जगत से जुड़े लोगों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह अनुशासन, समर्पण, मेहनत, आत्मविश्वास और टीम भावना जैसे गुणों को विकसित करने का सशक्त माध्यम हैं। खेल व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस हमें खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवाओं को खेलों से जोड़ने की प्रेरणा देता है। खेल प्रतिभाओं को उचित अवसर, संसाधन और प्रोत्साहन देकर भारत को खेल के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। श्री चौधरी ने खेल को जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वस्थ नागरिक ही सशक्त राष्ट्र की मजबूत नींव होते हैं।

बांगो बांध में पानी का आवक कम; 11 सेमी की गिरावट

सक्ती। वर्तमान में बांगो बांध में पानी का आवक कम होने से पिछले 24 घंटे में जल स्तर में 11 सेमी की गिरावट पायी गई। बांध में जल भराव को नियंत्रित करने हेतु उच्चाधिकारियों से चर्चा उपरांत उनके अनुमति से जलद्वारों की कुल ओपनिंग 2.00 मीटर से घटाकर 1.50 मीटर किया गया। 29/08/2026 को सुबह 8.00 बांगो बांध का जल स्तर 358.21 मीटर रहा है। बांध में पानी का इनफ्लो 12628 क्यूसेक एवं आउट फ्लो (3 जल द्वारों एवं 3 विद्युत संयंत्रों से) 19972 क्यूसेक है।

एकलव्य स्कूल में 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में लेटरल एंट्री से प्रवेश

रायगढ़। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छोटेमुड़पार, खरसिया में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में रिक्त सीटों पर लेटरल एंट्री के माध्यम से प्रवेश दिया जाएगा। विद्यालय में कुल 19 रिक्त सीटों पर आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। रिक्त सीटों में कक्षा 8वीं में 1, कक्षा 9वीं में 1 तथा कक्षा 11वीं विज्ञान संकाय में 16 और कला संकाय में 1 सीट शामिल है। इच्छुक पालक एवं विद्यार्थी विद्यालय कार्यालय में संपर्क कर आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। आवेदन के साथ अंकसूची की छायाप्रति, आधार कार्ड, जाति, निवास एवं फोटो संलग्न करना होगा। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 7 सितंबर 2026 शाम 5 बजे निर्धारित की गई है। कक्षा 8वीं एवं 9वीं अंग्रेजी माध्यम में अधिक आवेदन प्राप्त होने की स्थिति में 9 सितंबर 2026 को प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाएगी। वहीं कक्षा 11वीं में कक्षा 10वीं की अंकसूची के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी। प्रवेश संबंधी अधिक जानकारी हेतु एडमिशन इंचार्ज जवाहर लाल सिन्हा से मोबाईल नंबर- +91-8839201173 पर संपर्क कर सकते है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर 126 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों का मुख्यमंत्री ने किया अलंकरण

खेल प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने सरकार प्रतिबद्ध

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती एवं राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य खेल अलंकरण समारोह में प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 के लिए 126 उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को राज्य खेल अलंकरण प्रदान किए। अलंकरण प्राप्त खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों के साथ ही 540 अन्य खिलाड़ियों को भी नगद प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। इस प्रकार कुल 666 खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को 1 करोड़ 74 लाख 19 हजार रुपए की पुरस्कार एवं प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह में खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में खिलाड़ी का परिश्रम, अनुशासन और संघर्ष केवल उसकी व्यक्तिगत उपलब्धि तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसकी सफलता से पूरे प्रदेश और देश का गौरव बढ़ता है। छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को संसाधनों और अवसरों की कमी के कारण पीछे न रहना पड़े।

समारोह में उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल एवं श्री विजय बघेल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राज्य खेल अलंकरण से सम्मानित किया जा रहा है। राज्य सरकार खिलाड़ियों के भविष्य को सुरक्षित और बेहतर बनाने के लिए भी लगातार कदम उठा रही है।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए सरकारी नौकरी

उन्होंने बताया कि हाल ही में प्रदेश के 156 उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सूची जारी की गई है, जिससे उनके लिए शासकीय सेवा में नियुक्ति का रास्ता खुला है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को सम्मान और प्रोत्साहन देने के साथ उनके भविष्य को संवारना भी सरकार की प्राथमिकता है। इससे प्रदेश के युवाओं में खेलों को करियर के रूप में अपनाने का विश्वास और मजबूत होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार पिछले दो वर्षों से बस्तर ओलंपिक का आयोजन कर रही है। बस्तर ओलंपिक के पहले आयोजन में 1 लाख 65 हजार युवाओं ने हिस्सा लिया था। दूसरे वर्ष यह संख्या बढ़कर 3 लाख 91 हजार तक पहुंच गई। इतनी बड़ी संख्या में युवाओं का खेल मैदान तक आना बस्तर में आ रहे सकारात्मक बदलाव और युवाओं के बढ़ते आत्मविश्वास का प्रमाण है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरगुजा ओलंपिक के माध्यम से भी स्थानीय प्रतिभाओं को आगे आने का अवसर दिया गया है। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स का सफल आयोजन किया गया। इन आयोजनों के जरिए राज्य सरकार प्रतिभाओं को तलाशने के साथ उन्हें प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा का बेहतर वातावरण उपलब्ध करा रही है।

खेलों के लिए पांच मिशन

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ में खेलों और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए पांच मिशन पर काम कर रही है। इनमें मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन भी शामिल है। इसके लिए 100 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल प्रतियोगिताएं आयोजित करना नहीं, बल्कि प्रतिभाओं की पहचान से लेकर प्रशिक्षण, आधुनिक संसाधन, बेहतर खेल अधोसंरचना और बड़े मंचों तक पहुंचने के अवसर उपलब्ध कराने की समग्र व्यवस्था विकसित करना है। कुनकुरी, रायगढ़ और रायपुर में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित किए जा रहे हैं। नवा रायपुर तथा पंडरापाट में तीरंदाजी अकादमी विकसित की जा रही है।

प्रतिभा की कमी नहीं : खेलमंत्री साव

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की भौगोलिक विविधता विभिन्न खेलों के लिए अनुकूल है। प्रदेश में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता इन प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें निखारने और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर देने की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार इसी दिशा में लगातार कार्य कर रही है। केंद्र सरकार की खेलो इंडिया जैसी पहलों से देशभर में खेलों के प्रति नया उत्साह और सकारात्मक वातावरण बना है। इसका लाभ छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों को भी मिल रहा है। श्री साव ने बिलासपुर खेल अकादमी की गीता यादव और मधु सिदार का एशिया कप के लिए भारतीय टीम में चयन होने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है। प्रदेश की प्रतिभाएं निरंतर बड़े मंचों तक पहुंच रही हैं।

बना सकारात्मक वातावरण : केंद्रीय राज्य मंत्री

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद ने अपने खेल से भारत को दुनिया में गौरवान्वित किया। आज उनके पदचिह्नों पर चलते हुए छत्तीसगढ़ के बेटे-बेटियां विभिन्न खेलों में प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खिलाड़ियों को प्रोत्साहन, आधुनिक सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराने के कारण देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण बना है। इसका परिणाम है कि भारत के खिलाड़ी विश्व की बड़ी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय पदकों की उम्मीद - बृजमोहन

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों के सामने अनेक बड़े अवसर हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रमंडल खेलों के साथ ही ओलंपिक और एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर पदक जीतकर छत्तीसगढ़ के एम्बैसडर बनेंगे और राज्य का गौरव बढ़ाएंगे।

समारोह में विधायक पुरन्दर मिश्रा, मोतीलाल साहू एवं सुनील सोनी, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत छाबड़ा, रायपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नंद कुमार साहू, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, छत्तीसगढ़ ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ. विक्रम सिसोदिया, विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी, खिलाड़ी एवं प्रशिक्षक उपस्थित थे।

तीन वर्षों के उत्कृष्ट खिलाड़ी सम्मानित

राज्य खेल अलंकरण समारोह में वर्ष 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। इनमें शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार, शहीद कौशल यादव पुरस्कार, वीर हनुमान सिंह पुरस्कार, शहीद पंकज विक्रम सम्मान, शहीद विनोद चौबे सम्मान और मुख्यमंत्री ट्रॉफी शामिल हैं।

वर्ष 2023-24

शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार - कु. मोनिका साहू (फेंसिंग), सुभाष लहरे (वेटलिफ्टिंग), अनुप यदु (नेटबॉल), राजेश राठौर (नेटबॉल), भूपेन्द्र कुमार गढ़े (सॉफ्टबॉल) एवं श्री परमानंद (पैरा स्विमिंग)।
शहीद कौशल यादव पुरस्कार - सुश्री दिपांशी नेताम (फेंसिंग), महेन्द्र धुर्वे (वॉलीबॉल), अमित कुमार (एथलेटिक्स) एवं राकेश कडती (सॉफ्टबॉल)।
वीर हनुमान सिंह पुरस्कार - विकास ढीढ़ी (पैरा जूडो)।
शहीद पंकज विक्रम सम्मान - कु. सीता साहू (पैरा व्हीलचेयर फेंसिंग), करन भारती (वुशू), प्रियंका ठाकुर (वुशू), शशांक मसीह (रायफल शूटिंग), राजीव साहू (टेबल टेनिस), कु. काजल (टेबल टेनिस), कु. भूमिका उपाध्याय (हॉकी) एवं अजिंक्या सिंह (तैराकी)।
शहीद विनोद चौबे सम्मान - प्रवेश चड्ढा (शूटिंग), विजय बहादुर (हैंडबॉल), लक्ष्मण लाल साहू (कुश्ती), के रवि शंकर (टेबल टेनिस) एवं गिरिराज बागड़ी (टेबल टेनिस)।
मुख्यमंत्री ट्रॉफी - सीनियर वर्ग में बिलासपुर की पैरा व्हीलचेयर फेंसिंग टीम।

वर्ष 2024-25

शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार - ज्ञानेश्वरी यादव (वेटलिफ्टिंग), ईशान भटनागर (बैडमिंटन), दिव्यांशु नेताम (फेंसिंग), भूमि गुप्ता (तैराकी), सोनम शर्मा (नेटबॉल), कलाराम पटेल (पैरा एथलेटिक्स) एवं लोमेन्द्र साहू।
शहीद कौशल यादव पुरस्कार - मानस भट्टाचार्य (बैडमिंटन) एवं सुखदेव (पैरा एथलेटिक्स)।
वीर हनुमान सिंह पुरस्कार- अशोक कुमार साहू (कयाकिंग एवं कैनोइंग)।
शहीद पंकज विक्रम सम्मान - सुमन यादव (फुटबॉल), रोहित रजक (हॉकी), गीतांजलि निर्मलकर (हॉकी), केएस साई प्रशांत (टेबल टेनिस), सुष्मिता सोम (टेबल टेनिस), रामकृष्ण साहू (पैरा स्विमिंग), स्वाति साहू (पैरा व्हीलचेयर फेंसिंग), साकेत सामुएल (रायफल शूटिंग), अमन तिवारी (वुशू) एवं मानसी डुंभरे (वुशू)।
शहीद विनोद चौबे सम्मान - प्रभा हुसैन (एथलेटिक्स), संगीता राजगोपालन (बैडमिंटन), गामा यादव (कुश्ती) एवं प्रनय नन्द मजूमदार (टेबल टेनिस)।
मुख्यमंत्री ट्रॉफी - सीनियर महिला वर्ग में बिलासपुर की तीरंदाजी टीम।

वर्ष 2025-26

शहीद राजीव पाण्डेय पुरस्कार - विकास कुमार (आर्चरी), किरण पिस्दा (फुटबॉल), दीपांशी नेताम (फेंसिंग), सुजेय तंबोली (बैडमिंटन), आयुष माखिजा (बैडमिंटन), संजू देवी (कबड्डी), रीमा राय (सॉफ्ट टेनिस), मिशा कुमारी (नेटबॉल) एवं लक्की यादव (पैरा एथलेटिक्स)।
शहीद कौशल यादव पुरस्कार - दिव्यांशु देवांगन (शूटिंग), विक्रम राज (आर्चरी), दिव्यांश अग्रवाल (बैडमिंटन), सोनिका राजवाड़े (एथलेटिक्स), स्वप्निल प्रधान (वुशू), भूमिका चौधरी (नेटबॉल), पूजा (नेटबॉल) एवं निखिल कुमार यादव (पैरा एथलेटिक्स)।
वीर हनुमान सिंह पुरस्कार - अजय दीप सारंग (वेटलिफ्टिंग)।
शहीद पंकज विक्रम सम्मान - संस्कार दिवान (वुशू), विद्या सिंह (वुशू), अंकुश सिंह (खो-खो), झमिता साहू (खो-खो), हेमशिखर (वॉलीबॉल), अरन्दिम देवनाथ (टेबल टेनिस), स्नेहा न्योगी (जूडो), अनमोल सिंह (जूडो), यश केरकेट्टा (बॉक्सिंग), टुकेश साहू (जिम्नास्टिक), सेमेश्वर सिंह (पैरा स्विमिंग), श्रीकांत पाण्डे (पैरा जूडो) एवं खुशाल यादव (हॉकी)।
शहीद विनोद चौबे सम्मान - गंगेश्वर (एथलेटिक्स), ख्वाजा अहमद (वॉलीबॉल), एवन कुमार जैन (वेटलिफ्टिंग), मो. अकरम खान (वॉलीबॉल) एवं प्रदीप जोशी (टेबल टेनिस)।
मुख्यमंत्री ट्रॉफी - तीरंदाजी सीनियर महिला टीम एवं सॉफ्ट टेनिस जूनियर बालिका टीम।

मेजर ध्यानचंद की स्मृति में खेल दिवस समारोह

खेलेगा भारत, जीतेगा भारत थीम पर आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारत सरकार के खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के निर्देशानुसार अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में मेजर ध्यानचंद की स्मृति में खेल दिवस समारोह का आयोजन इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में प्रातः 8:30 बजे से किया गया।

मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने की।' कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ हॉकी के महान खिलाड़ी एवं भारतीय खेल जगत के प्रेरणास्रोत मेजर ध्यानचंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धा पूर्वक नमन किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेट कर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने छात्र-छात्राओं को खेलकूद, योग एवं नियमित शारीरिक गतिविधियों के महत्व एवं उनसे होने वाले शारीरिक तथा मानसिक लाभों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा दैनिक जीवन में खेल एवं व्यायाम को शामिल करने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के खेल अधिकारी डॉ. राम कुमार ठाकुर लिखित पुस्तक 'फिजिकल एजुकेशन, फर्स्ट एड, योगा एंड मेडिटेशन - अ प्रैक्टिकल पर्सपेक्टिव' का विमोचन किया गया। पुस्तक में शारीरिक शिक्षा, प्राथमिक उपचार, योग एवं ध्यान से संबंधित विषयों को व्यावहारिक दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया गया है।

मुख्य अतिथि डॉ. चंदेल ने विद्यार्थियों को खेलकूद एवं शारीरिक गतिविधियों में अधिक से अधिक भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत आयोजित 'एक घंटा खेल के मैदान में' कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेल एवं शारीरिक गतिविधियों के लिए समर्पित करने का आह्वान किया।

इस कार्यक्रम में डॉ. प्रवीण वर्मा, डॉ. आशुतोष दुबे, सूबेदार मेजर गोवर्धन शर्मा, डॉ. राम कुमार ठाकुर सहित विश्वविद्यालय के अधिकारीगण, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का आयोजन इस वर्ष 'एक घंटा खेल के मैदान में' अभियान के अंतर्गत 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' की थीम पर किया गया।

खेलों पर आधारित चित्र प्रदर्शनी का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन

कॉफी टेबल बुक 'हमारे खिलाड़ी' का विमोचन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आज राजधानी रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित राज्य खेल अलंकरण समारोह में छत्तीसगढ़ के गौरवशाली खेल इतिहास और खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर केंद्रित फोटो प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा कॉफी टेबल बुक 'हमारे खिलाड़ी' का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने फोटो प्रदर्शनी में प्रदर्शित छत्तीसगढ़ की खेल विभूतियों के जीवन, संघर्ष, उपलब्धियों और खेल जगत में उनके योगदान से संबंधित छायाचित्रों एवं जानकारियों का अवलोकन किया। उन्होंने प्रदेश के खेल इतिहास और खिलाड़ियों की उपलब्धियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की इस पहल की सराहना की। फोटो प्रदर्शनी में शहीद राजीव पाण्डेय, शहीद पंकज विक्रम, शहीद कौशल यादव और शहीद विनोद चौबे सहित छत्तीसगढ़ की अनेक विभूतियों के जीवन और योगदान को प्रस्तुत किया गया है। प्रदर्शनी में वीर हनुमान सिंह के जीवन, उनकी खेल साधना और खेल जगत में उनके उल्लेखनीय योगदान को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदेश की खेल प्रतिभाओं के संघर्ष से सफलता तक के सफर को प्रभावी ढंग से रेखांकित किया गया है। इसमें खिलाड़ियों की उपलब्धियों के साथ उन प्रेरक प्रसंगों को भी स्थान दिया गया है, जो नई पीढ़ी को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरणा देने वाले हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कॉफी टेबल बुक 'हमारे खिलाड़ी' का भी विमोचन किया। इस कॉफी टेबल बुक में छत्तीसगढ़ का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरव बढ़ाने वाले खिलाड़ियों के जीवन परिचय, खेल यात्रा, महत्वपूर्ण उपलब्धियों और उनके योगदान को आकर्षक छायाचित्रों के साथ संकलित किया गया है। यह पुस्तक प्रदेश की खेल प्रतिभाओं की उपलब्धियों को दस्तावेजीकृत करने के साथ ही छत्तीसगढ़ की समृद्ध खेल विरासत को नई पीढ़ी से परिचित कराने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी।

फोटो प्रदर्शनी एवं कॉफी टेबल बुक 'हमारे खिलाड़ी' को खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा जनसंपर्क विभाग द्वारा तैयार किया गया है। इसमें छत्तीसगढ़ के खेल इतिहास, गौरवशाली खेल विभूतियों तथा खिलाड़ियों की उपलब्धियों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया गया है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950